दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित
नगर संस्करण | इंदौर, गुरुवार, 16 जुलाई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 220, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

Us 100% / 0 % Uk

रूस से तेल खरीदने पर भारत समेत 5 देशों पर 100% टैरिफ की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है।

बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके।

इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया।

अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है।

यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका- रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15% से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है।

सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं।

भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा

- भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4% था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया।
- रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं।

बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

भारत- यूके एफटीए लागू : व्हिस्की, कारें और ब्यूटी प्रोडक्ट्स होंगे सस्ते

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत में UK की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर आज से सस्ते मिलेंगे। आज से भारत-UK के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। यानी अब भारत के 99% सामानों को UK में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं UK के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे।

इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए थे।

ब्रिटिश हाई कमिश्नर ने कहा- 'ऐतिहासिक पल'- इस व्यापार समझौते के लागू होने से पहले भारत में UK की हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'उल्टी गिनती शुरू हो गई है! UK और भारत इस बात पर सहमत हैं कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यह आधुनिक यूके-भारत पार्टनरशिप के लिए ऐतिहासिक पल है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए ग्रोथ के नए युग की शुरुआत करेगा।'

क्या-क्या फायदा होगा...

UK से आयात होने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15% से घटकर 3% होगा। 85% सामान 10 साल में पूरी तरह टैरिफ-मुक्त होंगे।

व्हिस्की और जिन: UK से आयात होने वाली स्कॉच व्हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150% से घटकर 75% हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटाकर 40% कर दिया जाएगा। उदाहरण- 5000 रुपए की स्कॉच बॉटल 3500 रुपए में मिलेगी।

लग्जरी कारें: UK की कारों (जैसे जगुआर लैंड रोवर, रोल्स रॉयस) पर टैरिफ 100% से कोटा सिस्टम के तहत 10% तक आ जाएगा। इससे ये कारें 20-30% सस्ती हो सकती हैं।

खाद्य और पेय पदार्थ: UK से आयात होने वाले सैल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिस्किट और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे।

कॉस्मेटिक्स और मेडिकल डिवाइस: UK के कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे। टैरिफ 15% से घटकर 3% पर आ जाएगा।

फैशन और कपड़े: ब्रिटेन से आने वाले ब्रांडेड कपड़े, फैशन प्रोडक्ट्स और होमवेयर भी सस्ते होंगे। वहीं फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स भी कम कीमत पर मिलेंगे।

रूस पर सख्ती वाले बिल को दोनों दलों का समर्थन

सीनेट में पेश रूस-विरोधी टैरिफ बिल को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट, दोनों दलों का समर्थन मिला है। इसे अमेरिकी राजनीति में 'बाइपार्टिसन बिल' कहा जाता है। यानी ऐसा प्रस्ताव जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सहमत हों।

अमेरिका में कई बड़े राजनीतिक मतभेदों की वजह से अटक जाते हैं। लेकिन जब दोनों दल किसी बिल के साथ खड़े होते हैं, तो उसके कांग्रेस से पारित होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट का डेटा लीक, सुरक्षा पर बड़ा साइबर खतरा

डार्क वेब पर लीक हुईं न्यूक्लियर प्लांट की 19 हजार गोपनीय फाइलें

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पावर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है।

तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है।

परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डार्क वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चेन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है।

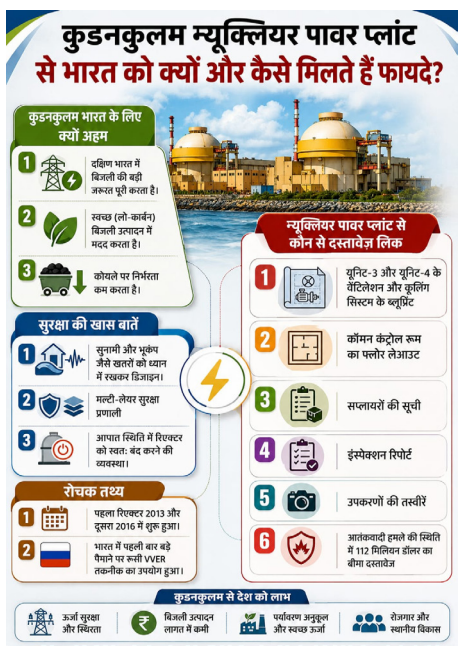

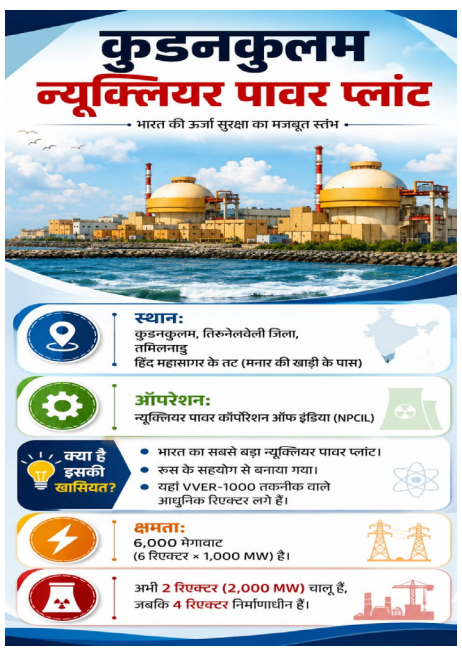

अहमदाबाद विमान हादसा

सुप्रीम कोर्ट में कॉकपिट रिकॉर्डिंग जारी करने का क्यों विरोध कर रहा AAIB?

अहमदाबाद ● एजेंसी

गुजरात के अहमदादाबाद में हुए विमान हादसे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने सुप्रीम कोर्ट में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 दुर्घटना से जुड़ी कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग सार्वजनिक करने और समानांतर जांच कराने की मांग का विरोध किया है।

विरोध की एएआईबी ने बताई वजह- ब्यूरो ने अपने जवाबी हलफनामे में कहा है कि विमान दुर्घटनाओं की जांच से जुड़े कानून के तहत केवल एएआईबी को ही ऐसी दुर्घटनाओं की जांच का अधिकार है और जांच से जुड़ी संरक्षित सामग्री का खुलासा करने की अनुमति नहीं है।

एएआईबी ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि उसे उम्मीद है कि एयर इंडिया एआई-171 हादसे की जांच पूरी कर अक्टूबर 2026 तक अंतिम रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। ब्यूरो के अनुसार, जांच एयरक्राफ्ट (इन्वेस्टिगेशन ऑफ एक्सीडेंट्स एंड इंसिडेंट्स) रूल्स, 2025 और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानकों के तहत की जा रही है। इसका उद्देश्य भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकना और विमानन सुरक्षा को मजबूत करना है।

इन नियम का हवाला दे रहा है एएआईबी- हलफनामे में एएआईबी ने नियम 17 का हवाला देते हुए कहा कि जांच के दौरान दर्ज गवाहों के बयान, विमान संचालन से जुड़े लोगों के बीच हुई बातचीत, मेडिकल और निजी जानकारी, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग और उसके ट्रांसक्रिप्ट, एयर ट्रैफिक कंट्रोल रिकॉर्डिंग, कॉकपिट इमेज रिकॉर्डिंग और जांच अधिकारियों की राय जैसी सामग्री सार्वजनिक नहीं की जा सकती।

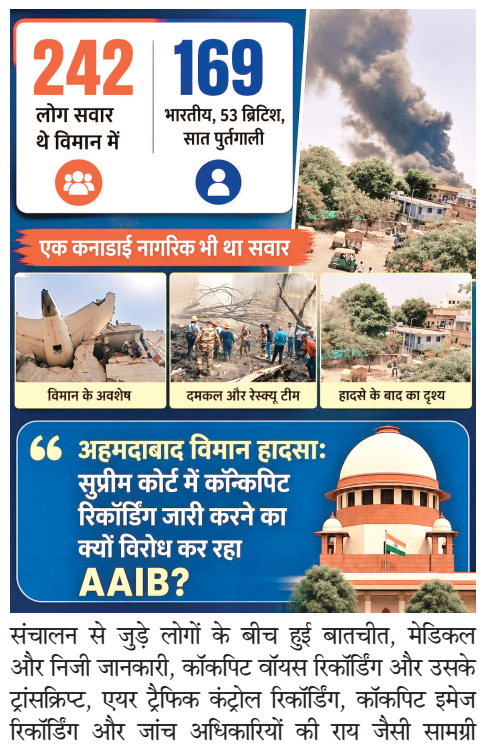

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी

IRCTC की नई बीटा वेबसाइट लॉन्च, बदला टिकट बुकिंग का अंदाज; हुए ये चार बड़े बदलाव

नई दिल्ली ● एजेंसी

रेल मंत्री ने छात्रों से किया अपना वादा तय समय पर पूरा कर दिया है। यात्रियों को बेहतर टिकट बुकिंग अनुभव देने के लिए आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट का बीटा वर्जन बुधवार को लॉन्च कर दिया गया। नई वेबसाइट को यूजर्स के लिए ट्रायल के तौर पर उपलब्ध कराया गया है, ताकि यात्री इसके नए डिजाइन और सुविधाओं का अनुभव लेकर अपने सुझाव दे सकें।

आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट को यूजर एक्सपीरियंस बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें आसान नेविगेशन, साफ-सुथरा इंटरफेस और टिकट बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया गया है। वेबसाइट में किए गए सुधारों के सुझाव मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) के छात्रों ने रेल मंत्री के साथ बातचीत के दौरान दिए थे।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिगराम को जेल भेजा

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिगराम गर्ग और उसके एक साथी को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शालिगराम समेत 4 लोगों पर जमीन विवाद में मोतीलाल कुशवाहा नाम के युवक को गोली मारने का आरोप है। मामला राजनगर में गौशाला के पीछे की जमीन के विवाद से जुड़ा है। पुलिस ने शालिगराम और अंकित मिश्रा को बुधवार शाम को कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। दो आरोपी अब भी फरार हैं। घायल मोतीलाल कुशवाहा राजनगर थाना इलाके के कोड़ा गांव का रहने वाला है। उसे मंगलवार को गोली लगने के बाद गंभीर हालत में छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मोतीलाल ने पुलिस को बताया था- शालिगराम गर्ग मेरी जमीन छीनना चाहते हैं।

नोएडा में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 2 जिंदा जले

नोएडा। नोएडा में बुधवार सुबह 11 बजे 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोग जिंदा जल गए। एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। फायर ब्रिगेड ने सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों का रेस्क्यू किया।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग के बेसमेंट में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। 30 से 40 बाइकें जलकर राख हो गईं। धुआं उठता देखकर बिल्डिंग के आसपास रहने वाले सैकड़ों लोग सड़क पर आ गए। बिल्डिंग के निचले हिस्से में फंसे लोग बाहर निकल गए, लेकिन ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग फंस गए। सूचना पर फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन भीड़ और संकरी गलियों के चलते वे बिल्डिंग तक नहीं पहुंच सकीं। ऐसे में गाड़ियों को सड़क पर ही खड़ा करना पड़ा। इसके बाद पाइप जोड़कर आग पर काबू पाया गया। इसमें करीब 3 घंटे लगे। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत से सामने वाली बिल्डिंग तक सीढ़ियां लगाकर पुल बनाया। फिर उसके सहारे लोगों को दूसरी बिल्डिंग में सुरक्षित पहुंचाया।

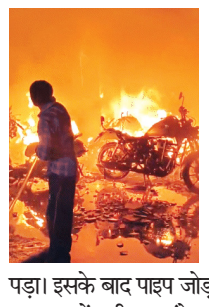

"खेत से कारखाने और कारखाने से बाजार" तक विकसित की जा रही है संपूर्ण कृषि अर्थव्यवस्था : मुख्यमंत्री

खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखा जाएगा

इंदौर ● संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर में राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में समर्पित किया है। इस उद्देश्य से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, राजस्व, ऊर्जा सहित 16 विभागों को एक मंच पर लाकर किसानों के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ किया गया है और किसानों की आय बढ़ाने के लिये रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने, प्रसंस्करण, विपणन और रोजगार से जोड़ने का व्यापक अभियान है, जो अब पूरे प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक अनेक आयोजन होंगे और खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यदि देश के इन चार वर्गों का विकास सुनिश्चित हो जाता है तो भारत की उन्नति स्वतः सुनिश्चित हो जाएगी। किसान इन चारों वर्गों के केंद्र में है, इसलिए सरकार ने किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष सरकार ने उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धरातल पर उतर रहे हैं। अब उसी प्रकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन लाया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक मधु वर्मा, श्रीमती मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, श्रवण चावड़ा, कपिल यादें सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे। शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के समय परिकल्पित केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना मध्यप्रदेश के जल इतिहास को बदल देंगी।

बिजली उत्पादन क्षमता को मजबूत किया

प्रदेश की 250 से अधिक नदियाँ लाखों लोगों के जीवन को समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने नर्मदा जैसी जीवनदायिनी नदी के जल का समुचित उपयोग नहीं किया, जबकि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नर्मदा घाटी परियोजनाओं को नई गति मिली। अनेक योजनाओं ने मालवा अंचल को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराया तथा प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता को भी मजबूत किया।

सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान की समृद्धि का आधार पानी, बिजली और सड़क है। इन तीनों क्षेत्रों में सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को अब रात्रि के बजाय दिन में कृषि बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और खेती करना अधिक सुविधाजनक होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। इस वर्ष गेहूं की खरीदी 2625 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर की गई। इसी प्रकार सोयाबीन उत्पादकों को भावांतर योजना के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकारों को छोड़कर अन्य पूर्ववर्ती सरकारों के समय किसानों को न उचित मूल्य मिलता था और न ही समर्थन मूल्य पर व्यवस्थित खरीदी होती थी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण उपलब्ध कराने की योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि अब किसानों को हर छह माह में ऋण नवीनीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

संक्षेप

अपार्टमेंट से गिरा युवक, हुई मौत

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र के बिचौली मर्दाना स्थित एक अपार्टमेंट में बुधवार सुबह 27 वर्षीय युवक की पांचवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस फिलहाल हादसे और आत्महत्या दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना सुबह करीब 8:30 बजे करुणा सागर बिल्डिंग की है। मृतक की पहचान शिवराज रघुवंशी पिता मूलचंद रघुवंशी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शिवराज पांचवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में रहता था और वहीं से नीचे गिर गया। मृतक के बड़े भाई जगदीश ने बताया कि सुबह उनकी मां ने जोर से आवाज लगाई।

सामान बाहर फेंका, मकान मालिक पर चोरी का आरोप

इंदौर। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में किराए के मकान का ताला तोड़कर सामान बाहर फेंकने, कीमती जेवर गायब करने और विरोध करने पर दंपती से मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार विदुर नगर निवासी निवेदिता राठौर ने शिकायत दर्ज कराई कि 13 जुलाई की रात करीब 9 बजे वह अपने पति राजेश राठौर के साथ किराए के मकान पर पहुंचीं। वहां देखा कि उनकी गैरमौजूदगी में मकान का ताला तोड़ दिया गया था और घर का पूरा सामान बाहर फेंक दिया गया था। महिला का आरोप है कि घर में रखा सोने के मंगलसूत्र का पेंडल और चांदी की पायल भी गायब है।

शाइन डॉट कॉम पर नौकरी खोजी, 17 हजार की ठगी

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पेंट कंपनी में सिस्टम ऑपरेटर के रूप में काम करने वाले युवक से डाबर इंडिया लिमिटेड में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 17,800 रुपए ठग लिए गए। शिकायत के बाद हीरानगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हीरानगर पुलिस के मुताबिक स्वास्थ्य नगर निवासी कार्तिक शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है। कार्तिक एक पेंट कंपनी में सिस्टम ऑपरेटर हैं और बेहतर नौकरी की तलाश में उन्होंने शाइन डॉट कॉम पर अपना प्रोफाइल बनाया था। 8 जुलाई को कार्तिक के पास एक मैसेज आया, जिसमें डाबर इंडिया लिमिटेड में असिस्टेंट मैनेजर पद पर नौकरी का ऑफर दिया गया। साथ ही एक मोबाइल नंबर देकर संपर्क करने को कहा गया।

मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर के खिलाफ वसूली वारंट

भरण-पोषण नहीं देने पर फैमिली कोर्ट का फैसला

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर की फैमिली कोर्ट ने मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर राहुल चौहान के खिलाफ वसूली वारंट जारी किया है। मामला चौहान और उनकी पत्नी निर्मला के बीच तलाक और भरण पोषण के केस से जुड़ा है। कोर्ट ने बुधवार को कहा- जिम्मेदार प्रशासनिक पद पर कार्यरत अधिकारी से अदालत के आदेशों का पालन करने की अपेक्षा अधिक होती है। भरण पोषण की राशि का भुगतान नहीं करने पर चौहान के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा।

दरअसल, निर्मला ने फैमिली कोर्ट में याचिका लगाई थी कि अदालत के आदेश के बावजूद चौहान ने नियमित रूप से भरण-पोषण राशि का भुगतान नहीं किया। उनके ऊपर 5 लाख 56 हजार रुपए की राशि बकाया है। पिछली सुनवाई में उन्होंने केवल 40 हजार रुपए जमा किए हैं। राहुल चौहान फिलहाल मंदसौर जिले की गरोठ तहसील में जॉइंट कलेक्टर हैं। मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई 2026 तय की गई है। निर्मला चौहान के वकील प्रवीण कचोले ने बताया कि केस 31 अप्रैल 2023 से फैमिली कोर्ट में है। जहां 4 मई 2026 को हर महीने 20 हजार रुपए का भरण पोषण के लिए आदेश दिया गया था। राहुल ने तब से सिर्फ एक बार पिछली पेशी में 40 हजार रुपए भरे हैं। बुधवार को सुनवाई के दौरान राहुल चौहान कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। उनके वकील विनोद पाटीदार ने अदालत को बताया कि उन्हें अपने मुवक्किल की ओर से आगे की पैरवी या उपस्थिति को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा- प्रतिपक्ष की ओर से प्रभावी उपस्थिति नहीं है और न्यायालय के आदेश के बावजूद भरण-पोषण की शेष राशि का भुगतान भी नहीं किया गया। ये गंभीर मामला है। अगली तारीख पर उन्हें कोर्ट में पेश होना होगा।

पत्नी ने लगाए हैं दहेज प्रताड़ना के आरोप

निर्मला चौहान ने 27 नवंबर 2025 को राहुल चौहान के खिलाफ इंदौर के महिला थाने में दहेज प्रताड़ना की FIR दर्ज कराई थी। इसमें लिखवाया था- मेरी शादी 16 दिसंबर 2018 को हुई थी। तब राहुल चौहान ट्रेनी डिप्टी कलेक्टर थे। शादी दोनों परिवार की मर्जी से हुई थी। मेरी मां ने हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। शादी के अगले दिन से ही मेरे पति कम दहेज मिलने की बात कहते हुए मारपीट करने लगे। कुछ दिन बाद मेरी मां ने जमीन रजिस्ट्री के लिए 50 हजार रुपए मेरे ससुर को दिए। इसके बाद मैं पति के साथ खरगोन में रहने लगी।

60 वर्षीय मां की बेटे ने पीट-पीटकर हत्या की

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में रहने वाली 60 वर्षीय महिला की उसके बेटे ने मारपीट कर हत्या कर दी। आरोपी अपनी पत्नी के घर छोड़कर जाने से नाराज था। पुलिस ने बेटे को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, मां, बेटा और बहू तीनों शराब पीने के आदी थे। बुधवार को भी शराब के नशे में मां-बेटे के बीच विवाद हुआ था। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, बुधवार शाम करीब 4 बजे सूचना मिली कि गीताबाई (60) का शव घर में पड़ा है। शुरुआती जानकारी में सामने आया कि उसके बेटे आकाश ने उसके साथ मारपीट की थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया कि गीताबाई, उसका बेटा आकाश और बहू ममता एक साथ रहते थे।

महिलाओं ने हथियार लेकर घर पर बोला धावा

इंदौर। खुडैल थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक परिवार पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिलाएं खुलेआम हथियार लेकर मौके पर पहुंचीं और परिवार के लोगों से मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और बाहर खड़ी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। खुडैल पुलिस के अनुसार आठ मील निवासी आसिफ पटेल की शिकायत पर अफसर पटेल, रिहान पटेल, परवीन, अरमान, अय्यूब, बबीता, आदिल, आरिफ पटेल सहित नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपनी कार से आठ मील जा रहा था, तभी आरोपियों ने रास्ते में रोककर डंडों से उसके साथ मारपीट की।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 की शुरुआत

रैली निकालकर दिया जागरूकता का संदेश, रोबोट बना आकर्षण का केंद्र

इंदौर ● संवाददाता

युवाओं और समाज को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और उसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक नशे से दूरी है जरूरी 2.0 विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है।

इसी कड़ी में बुधवार को इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में जनजागरूकता रैली निकालकर अभियान शुरू किया। पुलिस कमिश्नर ने मौजूद अधिकारियों, एनसीसी कैडेट्स, स्टूडेंट्स आदि को नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अवेयरनेस बैज लगाए। अभियान के लिए बनाए सेल्फी पाइंट का भी उन्होंने लोकार्पण किया और खुद सेल्फी भी ली। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से किशोरों और युवाओं को अवैध मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराया, उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नहीं, बल्कि उसके परिवार, भविष्य और पूरे समाज को प्रभावित करता है। ये अभियान 15 दिन चलेगा, इसमें विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से आगामी 30 जुलाई तक शहरभर में कई जनजागरूकता एक्टिविटी होगी। इसमें - नुक्कड़ नाटक और सांस्कृति प्रस्तुतियां, पोस्टर, बैनर और पंपलेट बांटना, निबंध, चित्रकला, रील/शॉर्ट मूवी और अन्य रचनात्मक कॉप्टिशन, सोशल मीडिया और डिजिटिल प्लेटफार्म पर जागरूकता अभियान, वीडियो स्क्रीनिंग और जनसंवाद, शॉर्ट फिल्म और प्रेरक संदेशों का प्रसारण आदि विभिन्न एक्टिविटी के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों और उससे बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सैकड़ों लोगों ने नशामुक्ति की शपथ

इस मौके पर विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों के स्टूडेंट्स, एनसीसी कैडेट्स, नगर सुरक्षा समिति सदस्यों, ट्रैफिक मित्रों, ट्रेनी डॉक्टर्स, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि और आमजन सहित करीब ढ़ाई हजार प्रतिभागियों ने अभियान में सहभागिकाती की और नशामुक्ति की शपथ ली और पुलिस कमिश्नर ने जनजागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली कई रास्तों से गुजरी, जिसमें बैनर-पोस्टर की मदद से लोगों को जागरुक किया। रैली का सबसे विशेष आकर्षण एक रोबोट रहा, जिसने सबसे आगे चलते हुए लोगों को नशे से दूरी है ज़रूरी का संदेश दिया। रोबोट के माध्यम से दिया गया यह अभिनव जनजागरुकता संदेश लोगों के आकर्षण का केंद्र बना और लोगों ने इसके साथ संवाद एवं सेल्फी लेकर अभियान का समर्थन किया। इस दौरान पुलिस के कई आला अधिकारी मौजूद रहे।

22 दिन से युवती के साथ होटल में था जीतू

इंदौर ● संवाददाता

श्याम पैलेस होटल की तीसरी मंजिल से गिरकर हुई जीतू उर्फ जितेंद्र साहू की मौत के मामले में जांच आगे बढ़ी है। पुलिस की पड़ताल में सामने आया है कि घटना के समय जीतू पिछले 22 दिनों से एक युवती के साथ होटल में रह रहा था। युवती से उसका करीब ढाई साल से रिलेशनशिप था।

वहीं, मौत से कुछ घंटे पहले सलमान लाला के रिश्तेदार जावेद और उनके साथी होटल में जीतू से मिलने पहुंचे थे। पुलिस ने होटल के सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिए हैं और युवती समेत सभी संबंधित लोगों से पूछताछ कर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है।

पुलिस जांच के अनुसार रविवार को जीतू के घर शिव पूजा का कार्यक्रम था। इसके बाद उसने जावेद और अन्य परिचितों को होटल बुलाया। सभी ने साथ बैठकर खाना खाया। रात करीब 3 बजे जावेद अपने

जीतू साहू, मृतक

साथियों के साथ होटल से चले गए। शुरुआती पूछताछ में पुलिस को उनके और जीतू के बीच दोस्ताना संबंध होने की जानकारी मिली है।

सुबह लौटने की बात कहकर निकला, फिर मिला शव

पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 4:20 बजे जीतू ने

फ्लैट खाली कराया, फिर होटल में रहने लगे

जांच में सामने आया है कि जीतू और युवती पहले करोल बाग क्षेत्र स्थित एक फ्लैट में साथ रहते थे। करीब 22 दिन पहले जीतू ने फ्लैट खाली करा दिया, जिसके बाद युवती अपना सामान लेकर होटल में रहने आ गई। जीतू भी नियमित रुप से वहीं आता-जाता था। पुलिस आर्थिक पहलू की भी जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जीतू पर काफी कर्ज था और कई लोगों के साथ उसका वित्तीय लेन-देन चल रहा था। बताया जा रहा है कि होटल का 22 दिन का भुगतान भी बाकी था। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं आर्थिक दबाव का घटना से कोई संबंध तो नहीं है। बाणगंगा पुलिस ने होटल के सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरु कर दी है। युवती के विस्तृत बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल परिजनों ने किसी पर संदेह व्यक्त नहीं किया है, लेकिन मौत से पहले के हर घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है।

एमडी, सट्टा और पुराने मामलों पर पुलिस की जांच पूरी

इंदौर ● संवाददाता

राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने एमडी ड्रग्स, क्रिकेट सट्टे और पुराने मामलों को लेकर नाना पटवारी पर शिकंजा और कस दिया है। बुधवार को पुलिस ने नाना पटवारी और उसके करीबी सुमित मंत्री को पूछताछ के लिए एसीपी कार्यालय बुलाया, जहां देर रात तक दोनों से पूछताछ की गई। इस दौरान नाना के वकील भी थाना परिसर में मौजूद रहे। डीसीपी नरेंद्र रावत ने पहले ही दोनों को पूछताछ के लिए तलब किए जाने की पुष्टि की थी। बुधवार रात करीब 9 बजे तक दोनों एसीपी कार्यालय में मौजूद रहे, जहां पुलिस अधिकारियों ने उनसे विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ की। हालांकि अधिकारियों ने पूछताछ के विषय और उससे जुड़े तथ्यों का खुलासा नहीं किया।

तीन और साथियों की तलाश जारी

पुलिस जांच में क्रिकेट सट्टे से जुड़े मामले में नाना पटवारी के तीन अन्य साथियों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अब तक वे हाथ नहीं लगे हैं। वहीं, मामले में कुछ युवतियों से भी पूछताछ की गई है, हालांकि अब तक ऐसी कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है, जिसके आधार पर नाना के खिलाफ नई कार्रवाई की जा सके। इधर, एमडी ड्रग्स मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपी अभी पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर ड्रग्स नेटवर्क, क्रिकेट सट्टे और नाना पटवारी के कथित कनेक्शन से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाने में लगी है।

इंदौर में मां के मर्डर से बेखबर मासूम की जिद

'मुझे मम्मी के हाथ से ही खाना है'

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की 11 जुलाई को हुई हत्या ने उनके दो बच्चों की दुनिया बदल दी है। घटना के चार दिन बाद भी दोनों बच्चे गहरे सदमे में हैं। 7 साल का बेटा अव्यक्त अब भी हर आने-जाने वाले चेहरे में अपनी मां को तलाश रहा है, जबकि 15 साल की बेटी प्रेक्षा ने खुद के आंसू रोककर छोटे भाई को संभालने का फैसला किया है। दोनों फिलहाल अपनी मौसी पूजा के घर रह रहे हैं।

परिजनों के मुताबिक, अव्यक्त अभी तक यह नहीं समझ पा रहा कि उसकी मां अब कभी लौटकर नहीं आएंगी। कई बार वह ठीक से खाना भी नहीं खाता। जब उसे खाना दिया जाता है तो वह मासूमियत से कहता है- मुझे मेरी मम्मी के हाथ से खाना खाना है। वही रोज मुझे खाना खिलाती थीं। उसकी यह बात सुनकर घर में मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो जाती हैं। मौसी पूजा के घर लगातार रिश्तेदार और परिचित सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। इस दौरान अव्यक्त बार-बार एक ही सवाल पूछता है- सब

दिल्ली का टिकट कराया, फिर रद्द कर दिया

उधर, हत्या का आरोपी अखिलेश सैनी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस जांच में सामने आया है कि वारदात के बाद उसने स्कूल के पास अपना वाहन छोड़ा और सेंट पॉल स्कूल क्षेत्र से ऑटो में रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां उसने दिल्ली का टिकट बुक कराया, लेकिन कुछ देर बाद उसे रद्द भी कर दिया। पुलिस का मानना है कि उसने जांच को गुमराह करने के लिए ऐसा किया। बाद में उसके खलघाट क्षेत्र में देखे जाने की सूचना भी मिली।

लोग तो आए हैं... लेकिन मेरी मम्मी नहीं दिख रहीं। वो कहां हैं? कब आएंगी? जवाब नहीं मिलने पर वह कुछ देर मां को ढूंढता है और फिर चुपचाप एक कोने में बैठ जाता है।

बेटे को गोद में लेकर मुखाग्नि दिलाई गई थी

परिवार की सदस्य मंगला सुनहरी ने बताया कि ओंकारेश्वर में हुए अंतिम संस्कार के दौरान अव्यक्त को गोद में लेकर मुखाग्नि दिलाई गई थी, लेकिन वह अब भी मां के हमेशा के लिए चले जाने की सच्चाई नहीं समझ पाया है। दूसरी ओर 15 वर्षीय प्रेक्षा के मन से वह भयावह दृश्य नहीं निकल पा रहा, जब उसने घर का दरवाजा खोलकर अपनी मां को खून से लथपथ देखा था। परिजन के अनुसार, घटना को याद करते ही वह सिहर उठती है। इसके बावजूद प्रेक्षा ने खुद को मजबूत बनाने का फैसला किया है। वह रिश्तेदारों से कहती है- अब एक भी आंसू नहीं बहाऊंगी। मुझे अपने छोटे भाई को संभालना है, अगर मैं टूट गई तो उसे कौन संभालेगा? कम उम्र में ही उसके कंधों पर परिवार की बड़ी जिम्मेदारी आ गई है।

उज्जैन से 'स्मार्ट आंगनवाड़ी' अभियान शुरू

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया शुभारंभ, 1,000 केंद्र होंगे आधुनिक

संवाददाता ● उज्जैन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन से 'स्मार्ट आंगनवाड़ी' अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत पहले चरण में उज्जैन जिले की 1,000 आंगनवाड़ियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हितग्राहियों को लाभ वितरित किए, आंगनवाड़ी परिसर में पौधारोपण किया और पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से बातचीत की, उन्हें उपहार दिए और झूला झुलाया।

मुख्यमंत्री यादव ने इस दौरान कहा कि आंगनवाड़ी केवल बच्चों की देखभाल का केंद्र नहीं हैं, बल्कि उनके स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की पहली पाठशाला हैं। उन्होंने जोर दिया कि विभिन्न बस्तियों से आने वाले बच्चों को बेहतर पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएं और प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभियान के तहत आंगनवाड़ियों को प्री-स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्रों में झूले, खेल सामग्री, आधुनिक फर्नीचर, यूनिफॉर्म, शिक्षण सामग्री, डिजिटल लर्निंग सुविधाएं और बेहतर स्वास्थ्य जांच जैसी व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी। बताया गया कि एक आंगनवाड़ी केंद्र को आधुनिक स्वरूप देने में लगभग 6 लाख रुपये की लागत आएगी। इस अभियान को जनसहयोग और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक लोगों को आंगनवाड़ियों को गोद लेने और बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम से पहले, मुख्यमंत्री ने उज्जैन पुलिस में पदोन्नत हुए अधिकारियों का स्टार एवं फीती लगाकर सम्मान किया। उन्होंने सिंहस्थ के लिए बन रहे सदावल हेलीपैड का भी निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने डीजीपी कैलाश मकवाना की माता जी के देहावसान के बाद उनके निवास पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

जैन मुनि पर टिप्पणी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर पुलिस ने रिमांड पर लिया, तीसरे आरोपी की तलाश जारी

संवाददाता ● अशोकनगर

अशोकनगर कोतवाली पुलिस ने जैन मुनि सुधासागर जी महाराज पर व्हाट्सएप के जरिए कथित आपत्तिजनक टिप्पणी प्रसारित करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले की तीसरी आरोपी डॉ. रेखा जैन की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, व्हाट्सएप पर जैन मुनि के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी प्रसारित होने की शिकायत पर कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया था। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299, 352 और 353(2) के तहत प्रकरण कायम किया गया है।

कई शहरों में दी गई दबिश

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देश पर एसडीओपी विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना और साइबर सेल की संयुक्त विशेष टीम गठित की गई। टीम ने फरार आरोपियों की तलाश में सागर, दमोह, जबलपुर, नागपुर और ललितपुर सहित कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी।

न्यायालय में पेश होकर हुए गिरफ्तार

पुलिस कार्रवाई के दबाव में राहुल जैन (40) और समीर जैन (39), दोनों निवासी रामपुरा वार्ड, सागर, न्यायालय में उपस्थित हुए। इसके बाद पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और रिमांड पर लिया। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रवि प्रताप सिंह चौहान, सत्येंद्र कुशवाह, विनोद तिवारी, पंकज त्रिपाठी, राजू रघुवंशी सहित साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शॉट न्यूज

शराब कारोबारी के घर हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

धार। शहर के कैलाश नगर में शराब कारोबारी के घर पर हमला और तोड़फोड़ के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद आरोपियों का शहर में पैदल जुलूस निकाला और वारदात में इस्तेमाल किए गए दो वाहन भी जब्त किए हैं। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। यह घटना 11 जुलाई की रात करीब 2:30 बजे हुई थी। 6 से 7 बदमाश वाहनों से कैलाश नगर स्थित एक लाइसेंसी शराब ठेकेदार के घर पहुंचे। उन्होंने मकान की खिड़कियों के कांच तोड़े और बाहर खड़ी फॉर्च्यूनर व महिंद्रा थार गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए थे।

गांजा तस्कर को 15 महीने की कैद, 10 हजार जुर्माना

शाजापुर। विशेष एनडीपीएस अदालत ने ढाई साल पुराने गांजा तस्करी मामले में आरोपी जाकिर खां को दोषी ठहराया। बुधवार को अदालत ने आरोपी को 15 महीने की सजा सुनाई और 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। शासकीय अभिभाषक महेंद्र सिंह परमार ने बताया कि 18 अक्टूबर 2023 को बैरछा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मालीखेड़ी जंगल के पास घेराबंदी की थी। पुलिस ने जाकिर खां को पकड़कर उसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया था कि वह गांजा बिरगोद के बड़ले क्षेत्र से लाया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान जाकिर खां फरार हो गया था।

जमीन विवाद में 72 वर्षीय किसान पर हमला

मऊगंज। मऊगंज जिले के शिवराजपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर एक 72 वर्षीय बुजुर्ग किसान के साथ मारपीट की गई। विवादित जमीन पर जुताई रोकने पहुंचे बुजुर्ग पर आरोपियों ने लात-घूंसों और टांगी (कुल्हाड़ी) से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित नर्मदा प्रसाद तिवारी (72) ने अपनी पत्नी सावित्री तिवारी के साथ नईगढ़ी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक, उनके परिवार की भूमि खसरा नंबर 1036/02 और 1041/2 का अभी तक बंटवारा नहीं हुआ है। इस जमीन का मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है और इस पर स्टे लगा हुआ है। बुधवार दोपहर पीड़ित का भतीजा अशोक तिवारी और आशा तिवारी विवादित जमीन पर ट्रैक्टर से जुताई करवा रहे थे। जब बुजुर्ग नर्मदा प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर कोर्ट के स्टे का हवाला देते हुए जुताई रोकने को कहा, तो दोनों आरोपी भड़क गए।

दमोह कलेक्टर ने 6 शराब दुकान के लाइसेंस किए निलंबित

पांच पर 7 लाख से अधिक का जुर्माना

संवाददाता ● दमोह

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले में शराब दुकानों में अनियमितताओं पर बुधवार को कार्रवाई की। उन्होंने छह दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए और पांच दुकानों पर 7 लाख 11 हजार 906 रुपए का जुर्माना लगाया। यह कार्रवाई शासन के निर्देशों का पालन न करने और अवैध गतिविधियों की शिकायतों के बाद की गई है।

कलेक्टर यादव ने बताया कि जिन शराब दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, उनके खिलाफ अवैध शराब बिक्री और अन्य अनियमितताओं की शिकायतें ज्ञापन व अन्य माध्यमों से मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि अवैध शराब की बिक्री से युवा पीढ़ी गलत रास्ते पर जा रही है, जिससे समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले युवा दिशाहीन हो रहे हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शराब दुकानों की जांच कराई गई। जांच में छह दुकानों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद उनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। वहीं, जिन दुकानों में सामान्य अनियमितताएं मिलीं, उन पर कुल 7 लाख 11 हजार 906 रुपए का अर्थदंड लगाया गया है। जिन छह दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, उनमें हटा सी (सतीश शुक्ला), नरसिंहगढ़ (भायल राठौर एंड कंपनी), तेंदूखेड़ा ए (एसएंडएस इंटरप्राइजेज), गुबरा ए (दीपमाला सिंह), जबेरा ए (भायल राठौर एंड कंपनी) और पथरिया ए (मां वैष्णो देवी एंड कंपनी) शामिल हैं। जिन शराब दुकानों पर अर्थदंड लगाया गया है, उनमें कांटी (दिशा इंटरप्राइजेज), जबेरा ए (भायल राठौर एंड कंपनी), जबेरा बी (मुकेश कुमार शर्मा), गुबरा ए (दीपमाला सिंह) और नरसिंहगढ़ (भायल राठौर एंड कंपनी) शामिल हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी छह निलंबित शराब दुकानों को सील करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी शराब दुकान संचालकों को चेतावनी दी है कि वे शासन के नियमों के तहत ही अपनी दुकानों का संचालन करें।

रास्ता विवाद हत्याकांड का आखिरी आरोपी भी गिरफ्तार

अशोकनगर। बहादुरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पुरा मथाना में रास्ते के विवाद में हुए बृजेश गुर्जर हत्याकांड के फरार अंतिम आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही मामले के सभी नौ आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो गई है। मुख्य आरोपी शैतान सिंह गुर्जर पर पहले ही राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस के अनुसार, 27 जून को रास्ते के विवाद के दौरान बृजेश गुर्जर की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने लगातार दबिश देकर आठ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया था, जबकि रामस्वरूप गुर्जर फरार चल रहा था।

विदिशा में गंदगी मिलने पर मांस दुकान सील

विदिशा। नगर पालिका ने बुधवार को मांस बाजार में औचक निरीक्षण अभियान चलाया। जांच के दौरान एक दुकान में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर उसे तत्काल सील कर दिया गया। वहीं, बिना लाइसेंस कारोबार करने वाले दुकानदारों को जल्द लाइसेंस बनवाने की चेतावनी दी गई। तहसीलदार और नगर पालिका सीएमओ के निर्देश पर नगर पालिका अमले ने मांस विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, खाद्य सुरक्षा मानकों और व्यापार लाइसेंस की जांच की गई। अधिकारियों ने पाया कि कुछ दुकानदार सड़क तक सामान फैलाकर कारोबार कर रहे थे। अधिकारियों ने सभी दुकानदारों को निर्देश दिए कि वे दुकान के भीतर से ही बिक्री करें, सड़क पर अतिक्रमण न करें और मांस को खुले में रखने के बजाय पूरी तरह ढककर रखें।

72 घंटे की मोहलत खत्म होते ही नगर पालिका की कार्रवाई

बैतूल में रिटायर्ड एआरआई के मकान पर चला बुलडोजर

संवाददाता ● बैतूल

बैतूल के इंदिरा वार्ड में बुधवार को नगर पालिका ने सड़क निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इटारसी रोड पर सतपाल आश्रम के सामने नगर पालिका के रिटायर्ड सहायक राजस्व निरीक्षक (एआरआई) कुन्नू लाल पल्लेवर के दो मंजिला मकान के अतिक्रमित हिस्से को तोड़ा गया। मकान का पिछला कमरा प्रस्तावित सड़क की जद में आ रहा था।

कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे राजस्व निरीक्षक (आरआई) मदन विनोदकर ने बताया कि पल्लेवर परिवार को पहले भी कई बार नोटिस दिए गए थे। आखिरी बार 72 घंटे का समय देकर अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, लेकिन तय समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। बताया गया कि पल्लेवर परिवार का करीब 1200 वर्गफीट क्षेत्र अतिक्रमण की जद में था। मकान दो मंजिला होने के कारण जेसीबी के साथ ड्रिल मशीन का भी इस्तेमाल किया गया। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका का अमला और पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

साढ़े सात मीटर चौड़ी सड़क बनेगी

नगर पालिका यहां करीब साढ़े सात मीटर चौड़ी सड़क और एक मीटर चौड़ी नाली का निर्माण कराने जा रही है। लगभग 40 लाख रुपए की लागत वाली इस सड़क का टेंडर पहले ही हो चुका है। यह सड़क सतपाल आश्रम के सामने से इटारसी रोड तक बनाई जाएगी। इसी लाइन में पहले भी कई पक्के अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। अब केवल सुंदरलाल कड़वे का मकान बचा है, जिस पर कोर्ट से स्टे होने के कारण फिलहाल कार्रवाई नहीं हो सकी है। नगर पालिका का कहना है कि अतिक्रमण हटने के बाद अब सड़क निर्माण का काम जल्द शुरू कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

आचार्यश्री समय सागर ने मांस निर्यात पर जताई चिंता

संवाददाता ● नर्मदापुरम

जैन धर्म के महान तपस्वी संयम, सत्य और अहिंसा के प्रतीक, आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य आचार्य 108 समय सागर महाराज का बुधवार सुबह नर्मदापुरम शहर में आगमन हुआ। रसूलिया डबल फाटक पर आचार्य श्री के साथ 20 पिच्छी मुनिराजों का शहर में मंगल प्रवेश हुआ। जहां सकल जैन समाज और शहरवासियों ने आचार्य श्री का स्वागत किया। दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

उनके स्वागत में जगह-जगह टेंट, बैंड-बाजे और रंगोलियां बनाकर शहर को सजाया गया। आचार्य श्री रसूलिया, भोपाल तिराहा, एनएमवी तिराहा, सतरस्ते होते हुए बड़े दिगंबर जैन मंदिर, मंगलवारा पहुंचे। यहां आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन, पूजन-अर्चना के बाद प्रवचन हुए। जिसमें उन्होंने अहिंसा की सीख दी। भारत से हो रहे मांस निर्यात पर चिंता जताई। आचार्य समय सागर महाराज ने कहा कि _'सांसारिक प्राणी स्वार्थी है। अपने जीवन को सुख-शांति से बनाने के लिए दूरदृष्टि रखता है, लेकिन परमार्थ उसके जीवन में हाथ नहीं रख सकता।' उन्होंने बड़े-बड़े हिंसात्मक कार्यों पर चिंता जताते हुए कहा कि _'सुना है भारत से मांस निर्यात होता है। इसे बंद करने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए। थोड़ी सफलता मिली है, लेकिन आज भी यह कार्य चल रहा है और हम देखकर भी नजरअंदाज कर देते हैं।"

पेड़, पौधे उनमें भी जीव है

महाराज ने कहा _ "मानव के लिए तो बहुत प्रबंध होते हैं, वो सुख-सुविधा से जीता है। थोड़ी प्रतिकूलता आने पर प्रतिकार करता है। लेकिन पशु-पक्षियों के जीवन के लिए हमारी सकारात्मक दृष्टि नहीं है। उनके बारे में विचार कर निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा पेड़, पौधे उनमें भी जीव है। इसलिए संत लोग उसके ऊपर नहीं चलते।" सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज का नर्मदापुरम आगमन नगर के इतिहास में एक अविस्मरणीय एवं स्वर्णिम अध्याय रहेगा। नगर प्रवेश यात्रा में नगर के जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी, व्यापारी वर्ग, सकल जैन समाज के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य, विद्यासागर पाठशाला के छात्र-छात्राएँ, विभिन्न जैन महिला मंडल, युवा संगठन, नगर के अनेक सामाजिक एवं हिन्दू संगठन ने सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक सम्मिलित होकर आचार्य श्री का आशीर्वाद लिया।

बालाघाट में एक सप्ताह बाद बूंदाबांदी

संवाददाता ● बालाघाट

बालाघाट जिले में एक सप्ताह बाद बुधवार को दोपहर में करीब आधे घंटे तक बूंदाबांदी हुई, जिससे उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हालांकि, जिले में इस वर्ष हुई बारिश का आंकड़ा पिछले साल की तुलना में लगभग 11 इंच कम दर्ज किया गया है।

बारिश की कमी का सबसे अधिक प्रभाव खरीफ फसलों पर पड़ रहा है। बालाघाट जिले में तीन लाख हेक्टेयर पर धान की फसल लगाई जानी है, लेकिन असिंचित क्षेत्रों में रोपे सूखने लगे हैं। सिंचित क्षेत्रों में भी धान की फसल पानी के अभाव में मुरझाने लगी है। खेतों की मिट्टी, जो आमतौर पर बारिश में कीचड़ से सनी रहती थी, अब फटने लगी है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। बालाघाट धान का एक प्रमुख उत्पादक जिला है, और जून-जुलाई में अच्छी बारिश की उम्मीद पूरी न होने से फसलों पर संकट गहरा गया है। कृषि वैज्ञानिक उत्तम बिसेन ने बताया कि रोपे को सूखने से बचाने के लिए किसान नर्सरी को हरी मेट से ढक सकते हैं और सुबह-शाम सिंचाई कर उन्हें सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि किसान सिलिकॉन या बाजार में 13045 के नाम से उपलब्ध KNO-3 का एक से दो प्रतिशत घोल बनाकर छिड़काव कर सकते हैं। बिसेन ने पुष्टि की कि पानी की कमी के कारण रोपे सूख रहे हैं। बालाघाट में 15 जुलाई तक कुल 316 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

40 लाख ऐंठने का आरोप, दो अवैध भवन मिले; राजस्व, पुलिस ने दस्तावेज खंगाले

सीमा पर ब्लैकमेलिंग का नया केस, मकान की भी जांच

संवाददाता ● अशोकनगर

अशोकनगर में देह व्यापार और ब्लैकमेलिंग के आरोपों से घिरी सीमा अहिरवार के दीपेश कॉलोनी स्थित मकान पर बुधवार को राजस्व, पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने जांच की। अधिकारियों ने मकान और आसपास के निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण कर भवन निर्माण की अनुमति, भू-अभिलेख और अन्य दस्तावेजों की पड़ताल शुरू कर दी है। इसी बीच सीमा अहिरवार के खिलाफ ब्लैकमेलिंग का एक और मामला दर्ज होने से प्रकरण और गंभीर हो गया है।

तहसीलदार भारतेंदु यादव ने बताया कि अनैतिक गतिविधियों में लिप्त सीमा अहिरवार के निवास की जांच की जा रही है। भवन निर्माण की अनुमति और संरचना से जुड़े दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। रिकॉर्ड की जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में मौके पर दो मकान, एक प्लॉट और एक टीन शेड मिला है। अधिकारियों के अनुसार इनमें से दो भवन बिना अनुमति के निर्मित पाए गए हैं। नगर पालिका के अभिलेखों और स्वीकृतियों का भी मिलान किया जा रहा है।

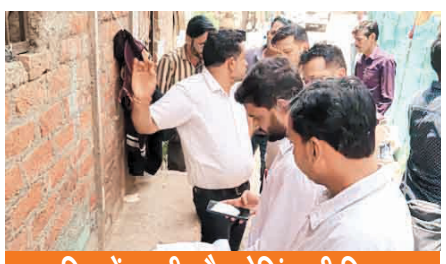

चार दिन में दूसरी ब्लैकमेलिंग की शिकायत

पुलिस के अनुसार, सीमा अहिरवार को 12 जुलाई की देर शाम देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कार्रवाई के दौरान उसके साथ दो अन्य महिलाएं और छह पुरुष भी पकड़े गए थे। इस मामले में उसका दामाद भी आरोपी है। गिरफ्तारी के बाद सीमा के खिलाफ यह ब्लैकमेलिंग का दूसरा मामला सामने आया है। इससे पहले विक्रांत जैन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सीमा ने ब्लैकमेल कर उससे 51 लाख रुपए का प्लॉट और नकद राशि हड़प ली थी।

40 लाख की ब्लैकमेलिंग का नया मामला दर्ज

इसी बीच महाना गांव निवासी श्याम रघुवंशी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने सीमा अहिरवार के खिलाफ ब्लैकमेलिंग का नया मामला दर्ज किया है। फरियादी का आरोप है कि सीमा ने अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर पिछले तीन-चार वर्षों से उसे ब्लैकमेल किया और 30 से 40 लाख रुपए ऐंठ लिए। साथ ही फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार रुपए मांगती रही। कोतवाली थाना प्रभारी रवि प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कोतवाली पुलिस और राजस्व विभाग का कहना है कि संपत्ति का माप-जोख और दस्तावेजों की जांच जारी है। यदि जांच में अवैध निर्माण की पुष्टि होती है तो संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त टीम की रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

शक्ति पंप्स की सेल्सफोर्स के साथ पार्टनरशिप, एआई के जरिए कृषि क्षेत्र में डिजिटल बदलाव को मिलेगी रफ्तार

इंदौर ● संवाददाता

भारत की प्रमुख सोलर पंप निर्माता कंपनी और देश के रिन्यूएबल एनर्जी व कृषि बदलाव में अहम भूमिका निभाने वाली शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने दुनिया के नंबर 1 एजेंटिक एआई सीआरएम*, सेल्सफोर्स (Salesforce) के साथ पार्टनरशिप की घोषणा की है इस पार्टनरशिप के जरिए कंपनी अपनी एआई बेस्ड ग्रोथ स्ट्रैटेजी को और तेज़ करेगी। इससे शक्ति पंप्स एक स्मार्ट और डेटा आधारित एंटरप्राइज बनाएगी, जो किसानों के साथ बेहतर जुड़ाव, बिजनेस की तेज़ी और कंपनी की अगली ग्रोथ को सपोर्ट करेगा।

यह पार्टनरशिप शक्ति पंप्स के उस विज़न में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसके तहत कंपनी एक प्रमुख सोलर पंप निर्माता से आगे बढ़कर एक व्यापक एग्री-टेक पार्टनर बनना चाहती है। एजेंटफ़ोर्स सेल्स, एजेंटफ़ोर्स सर्विस, एजेंटफ़ोर्स मार्केटिंग, कंज्यूमर गुड्स क्लाउड, फील्ड सर्विस के लिए सेल्सफोर्स, टैब्लो नेक्स्ट, एजेंटफ़ोर्स वाइब्स, और एजुकेशन के लिए एजेंटफ़ोर्स की मदद से कंपनी अपने ग्राहकों, डीलर्स और फील्ड ऑपरेशंस को एक ही एआई बेस्ड प्लेटफॉर्म पर लाएगी। इससे पूरे डीलर नेटवर्क पर रियल टाइम विजिबिलिटी मिलेगी, इंस्टॉलेशन और आफ्टर सेल्स सर्विस अधिक आसान और व्यवस्थित होगी, किसानों तक उनकी जरूरत के अनुसार पर्सनलाइज्ड तरीके से पहुंच बनाई जा सकेगी और टीमों को तेज़, बेहतर और सही फैसले लेने के लिए डेटा आधारित इनसाइट्स मिलेंगे।

इस पहल से शक्ति पंप्स के बड़े डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर और फील्ड टेक्नीशियन नेटवर्क की ऑपरेशनल एफिशिएंसी और मज़बूत होने की उम्मीद है। साथ ही बड़े स्तर पर किसानों के साथ पर्सनलाइज्ड तरीके से जुड़ना भी आसान होगा। एआई आधारित ऑटोमेशन, ओमनीचैनल कम्युनिकेशन, प्रेडिक्टिव इनसाइट्स और स्मार्ट फील्ड ऑपरेशंस को एक साथ जोड़कर कंपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ाने, ग्राहकों को तेज़ और बेहतर सेवा देने तथा पूरे बिजनेस में बेहतर विजिबिलिटी हासिल करने का लक्ष्य रखती है। एजेंटफ़ोर्स 360 प्लेटफॉर्म पूरे एंटरप्राइज में

एआई अपनाने और भविष्य में शक्ति पंप्स ग्रुप की दूसरी कंपनियों को एकीकृत करने के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करेगा।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर रमेश पाटीदार ने कहा, 'हम भारत के किसानों के लिए एक व्यापक एग्री-टेक पार्टनर बनने के अपने विज़न पर लगातार काम कर रहे हैं। इस सफर में टेक्नोलॉजी और एआई हमारी ऑपरेशंस को बड़े स्तर पर बढ़ाने, डीलर्स के साथ मजबूत जुड़ाव बनाने और पूरे इकोसिस्टम में लगातार बेहतर वैल्यू देने में अहम भूमिका निभाएंगे। सेल्सफोर्स के साथ हमारी पार्टनरशिप हमें एजेंटिक क्षमताएं देती है, जिनकी मदद से हम अपनी सेल्स, सर्विस, मार्केटिंग और फील्ड ऑपरेशंस को एक ही स्मार्ट प्लेटफॉर्म पर ला सकेंगे। यह सिर्फ शक्ति पंप्स के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे पूरे बिजनेस ग्रुप के लिए भी एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम है, क्योंकि हम एक पूरी तरह कनेक्टेड और भविष्य के लिए तैयार एंटरप्राइज बना रहे हैं।' शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चीफ डिजिटल एंड इंफॉर्मेशन ऑफिसर राजेश पोतदार ने कहा, 'कृषि का भविष्य क्लीन एनर्जी, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और डेटा आधारित फैसलों के साथ आगे बढ़ेगा। पिछले चार दशकों से शक्ति पंप्स सस्टेनेबल सिंचाई को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है और आज हम इस सफर का अगला कदम उठा रहे हैं। सेल्सफोर्स के साथ हमारी पार्टनरशिप एक ऐसे स्मार्ट एंटरप्राइज बनाने के हमारे विज़न को दर्शाती है, जो सिर्फ ऑपरेशनल एक्सीलेंस ही नहीं, बल्कि किसानों, पार्टनर्स और ग्रामीण समुदायों के लिए भी ज्यादा वैल्यू तैयार करे। हमें विश्वास है कि एआई भविष्य में कृषि को और अधिक मजबूत, उत्पादक और सस्टेनेबल बनाने में एक अहम भूमिका निभाएगा।' सेल्सफोर्स इंडिया के रीजनल वाइस प्रेसिडेंट विनय भट ने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री का भविष्य उन कंपनियों का होगा, जो एआई की मदद से स्मार्ट ऑपरेशंस और ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव तैयार करेंगी। इंजीनियरिंग एक्सीलेंस और सस्टेनेबल कृषि में इनोवेशन की मजबूत विरासत के साथ शक्ति पंप्स इस बदलाव का नेतृत्व करने की बेहतर स्थिति में है। सेल्सफोर्स के भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर डेटा, एआई, एप्लिकेशन और लोगों को एक साथ जोड़कर कंपनी एक स्मार्ट और एजेंटफोर्स एंटरप्राइज की मजबूत नींव रख रही है, जो किसानों, डीलर्स और पार्टनर्स सभी के लिए ज्यादा वैल्यू तैयार करेगा। कृषि क्षेत्र में नए इनोवेशन को आगे बढ़ाने और एआई के जरिए टिकाऊ ग्रोथ हासिल करने की इस यात्रा में शक्ति पंप्स के साथ पार्टनरशिप को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।' आने वाले समय में शक्ति पंप्स, सेल्सफोर्स को अपने अन्य ग्रुप बिजनेस जैसे शक्ति एनर्जी सॉल्यूशंस, शक्ति इरिगेशन, शक्ति ईवी मोबिलिटी और शक्ति एजुकेशन ट्रस्ट में भी लागू करने की योजना बना रही है। एजेंटफोर्स और म्यूलसॉफ्ट के साथ मिलकर ये पहल एक ऐसा एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम तैयार करेंगी, जो इनोवेशन, ऑपरेशनल एक्सीलेंस और लंबे समय तक टिकाऊ ग्रोथ को बढ़ावा देगा।

पदोन्नति केवल एक रैंक नहीं, बल्कि बढ़ी हुई जिम्मेदारी है, आरक्षक से प्रधान आरक्षक बने पुलिसकर्मी, अधिकारियों ने कंधे पर लगाए स्टार

खरगोन ● संवाददाता

पुलिस विभाग में कर्तव्यनिष्ठा और वर्षों की सेवा का सम्मान करते हुए । आरक्षक ललीत भावसार को प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। पदोन्नति के बाद थाना कार्यालय में आयोजित एक सादे समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों ने नवपदोन्नत प्रधान आरक्षक के कंधों पर नए रैंक लगाकर उन्हें बधाई दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लंबे समय से पुलिस सेवा में तैनात आरक्षक ने अनुशासन, कर्तव्यपरायणता और अपराध नियंत्रण में सराहनीय योगदान दिया है। इसी आधार पर विभाग द्वारा उन्हें प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। पदोन्नति आदेश मिलते ही थाना परिसर में खुशी का माहौल दिखा।

समारोह के दौरान थाना प्रभारी और अन्य अधिकारियों ने नवपदोन्नत प्रधान आरक्षक के कंधे पर स्टार लगाए। इस अवसर पर ली गई तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि अधिकारी सम्मानपूर्वक रैंक लगा रहे हैं और बीच में खड़े प्रधान आरक्षक गर्व के साथ वर्दी में नजर आ रहे हैं। पीछे ऑफिस का बोर्ड और टेबल पर रखे दस्तावेज इस पल की औपचारिकता को दर्शा रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि पदोन्नति केवल एक रैंक नहीं, बल्कि बढ़ी हुई जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधान आरक्षक आगे भी इसी मेहनत और ईमानदारी से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग में अच्छे काम करने वालों को उचित सम्मान मिलना चाहिए, जिससे अन्य जवानों को भी प्रेरणा मिलती है।

पदोन्नत होने वाले पुलिसकर्मी ने इस सम्मान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और विभाग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएंगे और जनता की सेवा को सर्वोपरि रखेंगे।

पुलिस परिवार और साथी जवानों ने भी उन्हें बधाई दी। विभाग का मानना है कि इस तरह के सम्मान समारोह से जवानों का मनोबल बढ़ता है और वे और बेहतर तरीके से ड्यूटी करने के लिए प्रेरित होते हैं।

उत्तम बारिश की कामना के लिए वरुण यज्ञ

तिल्लोर स्थित नेचरल फार्म पर हुआ आयोजन

इंदौर ● संवाददाता

श्री मां शारदा मानव एवं गौ सेवा समिति द्वारा विगत 19 सालों से उत्तम बारिश की कामना के लिए वरुण यज्ञ सम्पन्न करवाया जाता है। समिति प्रमुख महंत जुगल बाबा ने बताया कि वर्ष 2007 उमिया धाम राऊ से प्रारंभ हुआ यज्ञ इस वर्ष भी जारी है। बुधवार कोआषाढ़ी मास की नवरात्रि के पहले दिन अभिजात्य महुर्त में

दोपहर 3 से 5 बजे के तकआचार्य गिरीश व्यास द्वारा यज्ञ सम्पन्न करवाया गया। इस दौरान भगवान वरुण देव को प्रसन्न करने के लिए 1100 आहुतियाँ दी गई। मुख्य यजमान जितेंद्र गुप्ता जीतू बाबा ने बताया कि यज्ञ में प्रमुख

रूप से आचार्य डॉक्टर संतोष भार्गव, खजराना के प्रमोद मेहता, श्रीमती सरला गुप्ता राजेंद्र, सुरेंद्र देवेंद्र, लव, जय गुप्ता, चंद्रकांत गुप्ता, रीना गौरव खंडेलवाल, जितेंद्र सिंह चौहान कपिल हनोतिया, गुरुदेव हरिओम जोशी , जितेंद्र राठौर, ऋषिका झाला, मोहन सिंह कुशवाह, फिल्म लेखक निर्देशक रवि शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

आज धूमधाम से निकलेगी श्री जगन्नाथ रथयात्रा

श्री जगदीश मंदिर से होगा शुभारंभ, हरिनाम संकीर्तन के साथ होगा नगर भ्रमण

खरगोन ● संवाददाता

भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की रथयात्रा अब खरगोन में भी भव्य रूप से निकलेगी। कीर्तन यात्रा परिवार एवं सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में 'प्रथम भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है।

रथयात्रा 16 जुलाई 2026, गुरुवार को सायं 4 बजे श्री जगदीश मंदिर, ब्राह्मणपुरी से प्रारंभ होगी। आयोजन समिति के अनुसार यात्रा से पूर्व वैदिक पूजन और शंखनाद के साथ तीनों देवों का रथारोहण किया जाएगा। इसके बाद हरिनाम संकीर्तन के साथ रथ नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगा। समिति के संजय योगी ने बताया कि यात्रा के दौरान भक्त महाप्रभु के रथ को खींचकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। यात्रा के समापन पर महाआरती और महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

आयोजकों सकल हिंदू समाज का कहना है कि इस आयोजन का उद्देश्य सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना और समाज को एक सूत्र में बांधना है। तैयारी की जिम्मेदारी कीर्तन यात्रा परिवार, माधव संगीत महाविद्यालय और श्री जगन्नाथ रथयात्रा आयोजन समिति संभाल रही है। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सपरिवार पहुंचकर इस ऐतिहासिक और दिव्य आयोजन का हिस्सा बनें।

खेत की मेढ़ विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, युवक गंभीर

खरगोन ● संवाददाता

गोगावां थाना क्षेत्र के ग्राम बेहरामपुर टेमा में खेत की मेढ़ को लेकर हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। लाठी, लोहे की रॉड और पत्थरों से हुई मारपीट में एक युवक सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल खरगोन में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

घायल ने पुलिस को दर्ज एफआईआर में बताया कि बेहरामपुर टेमा में शाम करीब 5.30 बजे फरियादी सौरभ अपनी मां

रुकमणीबाई के साथ खेत से लौट रहा था। उसकी मां द्वारा गलती से खेत की मेढ़ निंदने पर पैर रख दिया। इससे नाराज होकर कुनाल और हुकुम ने उन्हें रास्ते में रोककर अभद्र गालियां दीं। विरोध करने पर कुनाल ने लाठी से उसके सिर पर वार किया, जबकि हुकुम ने उसे पकड़ लिया, जिससे उसकी पीठ पर चोंट आई। झगड़ा बढ़ता देख आकाश बीच. बचाव करने आया, तो कुनाल और हुकुम ने लाठी से उसे भी पीटा, जिससे कंधे व पीठ पर चोटें आईं। इसी दौरान विक्रम बचाने आया, तो संजय, कडवा, गोपाल और सुमित ने अभद्र गालियां देते हुए उससे मारपीट की। संजय ने लोहे की रॉड से विक्रम के सिर पर वार किया, जिससे खून बहने लगा। कडवा, गोपाल और सुनिल ने लाठियों से विक्रम को पीटा, जिससे उसके दाहिने हाथ व सिर में चोटें आईं। अनिताबाई, श्यामाबाई और बिनुबाई ने भी मौके पर पत्थर फेंके। युवक के भाई राकेश, दादा वल्लभ और दिनेश ने बीच.बचाव कर हमलावरों को हटाया। जाते.जाते हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी और लाठियों से युवक की मोटर साइकिल को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) की जिला कार्यकारिणी घोषित

खरगोन। भारतीय पत्रकार संघ (एआइजे) के प्रदेश संयोजक आमिर शेख के प्रस्ताव एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम कुशवाह की अनुशंसा तथा प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू के निर्देश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन व मप्र प्रभारी कल्याण जैन की सहमति से खरगोन जिलाध्यक्ष प्रकाश भावसार ने भारतीय पत्रकार संघ (एआइजे) की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है। भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के जिला मीडिया प्रभारी रवींद्र परमार ने बताया भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) की नवगठित जिला कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण इंगले, जितेंद्र आर्य, लुकमान खत्री, राहुल गुप्ता, सुभाष टांके, अशोक गुप्ता (बबलू), राजू पटेल, दिलीप सोनी, रुपेश डाकोलिया, अमित जोशी, महेश शर्मा, अशोक जाट, राजेश जैन, गणेश सोलंकी, संजय गीते व गब्बर चौहान मनोनीत किए गए। इसी प्रकार जिला सचिव हर्षराज गुप्ता, जमीर मंसूरी, महेंद्र (अंतिम) गुप्ता, मुकेश सेन, अखिलेश भावसार, विनोद गोयल, प्रवीण कुशवाह, अभय तिवारी, जोजु मुरियादान, पीयूष शर्मा, कमल शर्मा, राहुल जाट, सतीश इंगले, गोपाल पंड्या, संजय जायसवाल व राजू जाधव को बनाया गया। कार्यकारिणी में जिला महासचिव देवीसिंह धानसे, जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन, जिला सहकोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनी, जिला मीडिया प्रभारी रवींद्र परमार, जिला सह मीडिया प्रभारी सोरीन गुप्ता, प्रवक्ता विजय नांदुरकर, सह प्रवक्ता गुरमीतसिंह भाटिया, कार्यालय सचिव हरीश कुमरावत एवं सह कार्यालय सचिव महेश अमोदे को मनोनीत किया गया। यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से दो वर्ष के लिए प्रभावशील होगी। जिला कार्यकारिणी के गठन पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीजुद्दीन शेख, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष पुरोहित, मामराज सैनी, तरुण सोनी, अजय तिवारी, जिला संयोजक कमलेश पटेल सहित पत्रकार साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

"नशे से दूरी है जरूरी- 2.0" अभियान का हुआ भव्य शुभारंभ

700 से अधिक पुलिसकर्मियों एवं छात्र-छात्राओं ने रैली में भाग लेकर दिया "नशा मुक्ति" का संदेश, गूंजे "नशे से दूरी है ज़रूरी" के नारे

खरगोन ● संवाददाता

समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन चुकी है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव युवाओं के भविष्य पर पड़ रहा है। नशे की लत न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि अपराधों की बढ़ती घटनाओं का भी प्रमुख कारण बनती है। इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा दिनांक 15.07.2026 से 31.07.2026 तक प्रदेश भर में 'नशे से दूरी है ज़रूरी – 2.0' जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी क्रम में आज खरगोन पुलिस द्वारा अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक निमाड़ रेंज, खरगोन सिमाला प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति में 700 से अधिक पुलिसकर्मियों एवं छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात डीआईजी महोदय के द्वारा हरी झंडी दिखाकर विशाल नशा मुक्ति जागरूकता रैली को रवाना किया गया। यह रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए थाना कोतवाली खरगोन पर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने 'नशे से दूरी है ज़रूरी' तथा 'नशा मुक्त समाज – सुरक्षित समाज' जैसे नारों के माध्यम से नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा ने उपस्थित नागरिकों, छात्र-छात्राओं एवं मौजूद मीडिया कर्मीयों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा

व्यक्ति के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। इसके कारण कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियाँ, उच्च रक्तचाप, मानसिक रोग, स्मरण शक्ति में कमी एवं शारीरिक कमजोरी जैसी अनेक गंभीर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। उन्होंने कहा कि नशे की प्रवृत्ति व्यक्ति को अपराध की ओर भी प्रेरित करती है, जिससे परिवार एवं समाज दोनों प्रभावित होते हैं। इस अभियान का उद्देश्य केवल नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी, तभी एक सशक्त, सुरक्षित एवं विकसित भारत का निर्माण संभव होगा। कार्यक्रम के दौरान आमजन को नशा मुक्ति संबंधी जागरूकता पम्पलेट वितरित किए गए तथा आकर्षक सेल्फी पॉइंट भी स्थापित किए गए, जिससे अधिक से अधिक नागरिक अभियान से जुड़कर नशा मुक्ति का संदेश समाज तक पहुँचा सकें। अभियान के अंतर्गत आगामी 15 दिनों तक जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में रैली, जनसंवाद, विद्यालय एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण, नुक्कड़ नाटक, सोशल मीडिया अभियान, पम्पलेट वितरण तथा अन्य जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों एवं विशेष रूप से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) बिट्टू सहगल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शकुन्तला रुहल, एसडीओपी खरगोन सौरभ तोमर, डीएसपी अनिल बामनिया, थाना प्रभारी कोतवाली बी.एल. मंडलोई, निरीक्षक गिरवार सिंह, थाना प्रभारी जैतापुर उप निरीक्षक सुदर्शन कलोसिया, पुलिस लाइन आरआई दीपेन्द्र स्वर्णकार, आरआई मुकेश हायरी, अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, पुलिस लाइन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का बल, पत्रकारगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

संपादकीय

भाजपा सरकार हृदयहीन, विपक्ष असंवेदनशील, मौका परस्त?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कॉकरोच जनता पार्टी के साथ अनशन में भूखहड़ताल कर रहे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील की है। 17 दिन अनशन के पूरे हो चुके हैं और उनका वजन 8 किलो से ज्यादा कम हो चुका है। जो डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं उन्होंने उनकी जिंदगी को लेकर चिंता जताई है। इस चिंता को देखते हुए विपक्ष ने भी बयान-बाजी करना शुरू कर दी है। सपा नेता अखिलेश यादव ने सोनम वांगचुक से अपील करते हुए कहा, भाजपा सरकार के लिए किसी के जीवन का कोई महत्व नहीं है। हम उनसे विनम्र आग्रह करते हैं कि वह अनशन तोड़ दें। उनका जीवन मानवता और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है। लोकतंत्र के लिए जिस भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को जगाने के लिए वह अनशन पर हैं वह एक सिद्धांतहीन, भ्रष्ट तंत्र, असंवेदनशीलता और हृदयहीनता वाली सरकार है। उसके लिए किसी के भी त्याग का कोई महत्व नहीं है। पिछले एक सप्ताह से विपक्ष के नेता सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील जरूर कर रहे हैं, लेकिन उनकी इस लड़ाई में साथ देने के लिए विपक्ष और आम जनता जिनकी वह लड़ाई लड़ रहे हैं वह सब शांति के साथ तमाशा देख रहे हैं। यदि आम जनता और विपक्ष जिम्मेदार और संवेदनशील होता तो वह उनके समर्थन में आंदोलन और इस लड़ाई को लड़ने के लिए उनके साथ खड़ा होता। यह तो हुआ नहीं, सारा विपक्ष सरकार को कोस रहा है, लेकिन सरकार से लड़ने के लिए ना तो विपक्ष एकजुट हो रहा है नाही आम जनता अपनी लड़ाई खुद लड़ने आ रही है।

भाजपा सरकार की स्पष्ट धारणा है, जनता को यदि तकलीफ होगी तो वह स्वंय सड़कों पर उतर आएगी, लेकिन यदि जनता सड़कों पर नहीं है तो इसका मतलब उसे कोई तकलीफ नहीं है। विपक्ष यदि एकजुट नहीं है ऐसी स्थिति में सरकार यह मानकर चलती है कि उसे और उसकी सरकार की नीतियों पर जनता का समर्थन प्राप्त है। ऐसी स्थिति में पर उपदेश कुशल बहुतेरे की तरह सब अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे के ऊपर टालकर अपने आपको बेहतर और सर्वश्रेष्ठ दिखाते हुए अपने हितों की पूर्ति करने के लिए अपने कर्तव्य से पूरी तरह से भटक चुके हैं। जो सरकार में बैठे हैं वह सत्ता के सुख भोग रहे हैं। विपक्ष में बैठे नेता सत्ता तक पहुंचने के लिए अलग-अलग राजनीति कर रहे हैं। जनता के लिए कोई नहीं लड़ रहा है। देश की समस्याओं के ऊपर किसी का ध्यान नहीं है। जितने भी विपक्षी राजनीतिक दल हैं वह अपने राजनीतिक हितों और पारिवारिक हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश के संविधान और लोकतंत्र तथा गरीबों की यदि उन्हें चिंता होती तो सारा विपक्ष एकजुट होकर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ता। वांगचुक जैसे पर्यावरण विद् जब पर्यावरण और स्वतंत्रता के साथ विद्यार्थियों की लड़ाई लड़ने के लिए अनशन जैसे कठोर कदम उठाते हैं, ऐसे समय पर भी यदि विपक्ष एकजुट नहीं होता है तो इससे बड़ा दुर्भाग्य कोई नहीं हो सकता है।

इसके पहले भी पर्यावरणविद् प्रोफेसर जीडी अग्रवाल की मौत अनशन के दौरान हो चुकी है। 111 दिन वे आमरण अनशन पर बैठे रहे। सारा विपक्ष अलग-थलग रहा। सरकार के लिए यह स्थिति सबसे ज्यादा माकूल है। सरकार सोचती है, जब जनता और विपक्ष उनकी नीतियों और सत्ता से सहमत है, तभी तो कोई विरोध दर्ज नहीं करा रहा है। जब तक संपूर्ण विपक्ष ईमानदारी के साथ संविधान, लोकतंत्र तथा आम जनता की लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट नहीं होगा, जनता को जब तक वह यह विश्वास नहीं दिलाएगा कि विपक्ष जनता की लड़ाई लड़ रहा है, ऐसी स्थिति में जनता उनके साथ कैसे खड़ी होगी? इसे आसानी से समझा जा सकता है। कॉकरोच जनता पार्टी एक ऐसा मंच है जिसने मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहने के बाद प्रतिक्रिया स्वरूप नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद सोशल मीडिया पर बनी थी। इस पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, लेकिन इसी के मंच पर जाकर सोनम वांगचुक ने अनशन शुरू कर दिया, जिसके कारण इतने बड़े पर्यावरण और शिक्षा के मुद्दे में वह एक तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। सरकार भी इसी का फायदा उठा रही है। विपक्ष भी कॉकरोच जनता पार्टी के मंच पर जाने से बच रहा है। लेकिन यह एक ऐसा मामला है जब सारे लोगों को मिलकर पर्यावरण और छात्रों की मांग उठानी चाहिए। राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम जनता को भी इस लड़ाई में साथ आना पड़ेगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो जिस तरह से पहले भी अनशन और आंदोलन के दौरान कई लोगों की जान भेंट चढ़ चुकी है, आशंका है ऐसी ही एक भेंट सोनम वांगचुक की चढ़ सकती है।

आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है,

लेखक- ललित गर्ग

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

महिला आरक्षण का ऐतिहासिक क्षण सामने

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ ऐसे अवसर आते हैं जो केवल कानून बनाने की प्रक्रिया नहीं होते बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नई दिशा तय करते हैं। महिला आरक्षण का प्रश्न भी ऐसा ही विषय है। वर्षों से देश की आधी आबादी संसद और विधानसभाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व की मांग करती रही है। अनेक सरकारें आईं और गईं। अनेक समितियां बनीं। अनेक बार विधेयक प्रस्तुत हुआ। बहसें हुईं।

लेखक - कांतिलाल मांडोत

समर्थन और विरोध के स्वर भी सुनाई दिए। लेकिन यह सपना हर बार अधूरा रह गया। अब परिस्थितियां बदलती दिखाई दे रही हैं। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले राजनीतिक माहौल यह संकेत दे रहा है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप देने की तैयारी तेज हो चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष भी सकारात्मक रुख अपनाता दिखाई दे रहा है। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को समर्थन देने की घोषणा कर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं के अधिकार किसी दल की राजनीति का विषय नहीं होने चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि वे इस ऐतिहासिक पहल में सहयोग करें ताकि वर्षों से लंबित यह सपना अब पूरा हो सके। यह परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सर्वसम्मति बनाई जाए। महिला आरक्षण का विचार नया नहीं है। इसकी चर्चा तीन दशक से अधिक समय से होती रही है। पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिलने के बाद यह सिद्ध हो चुका है कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व की नई मिसाल कायम करती हैं। लाखों महिला जनप्रतिनिधियों ने गांव और शहर के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यही अनुभव अब संसद और विधानसभाओं तक पहुंचाने का समय है।

भारत की आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है लेकिन संसद और अधिकांश विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। लोकतंत्र तभी मजबूत माना जाएगा जब निर्णय लेने वाली संस्थाओं में समाज के सभी वर्गों की समान भागीदारी हो। महिला आरक्षण इसी लोकतांत्रिक संतुलन को स्थापित करने की दिशा में सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। इस

बार राजनीतिक परिस्थितियां पहले से अलग हैं। सरकार स्पष्ट रूप से महिला आरक्षण लागू करने की इच्छा जता रही है। विपक्ष का बड़ा हिस्सा भी इसका समर्थन कर रहा है। ऐसे में वर्षों से चली आ रही राजनीतिक खींचतान समाप्त होती दिखाई दे रही है। यदि सभी दल सहयोग करें तो यह विधेयक आसानी से पारित हो सकता है और भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय जुड़ सकता है।

अब प्रश्न यह भी उठता है कि जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के पास लंबे समय तक सत्ता रही और कई अवसरों पर मजबूत राजनीतिक स्थिति भी थी तब महिला आरक्षण का सपना पूरा क्यों नहीं हो सका। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस लंबे समय से स्वयं को महिला अधिकारों की समर्थक पार्टी बताती रही है। सच्चाई यह है कि कांग्रेस सरकार के दौरान महिला आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने का प्रयास अवश्य हुआ। राज्यसभा में इसे पारित भी कराया गया था। लेकिन लोकसभा में इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी। इसके पीछे सहयोगी दलों के विरोध और विभिन्न राजनीतिक समीकरणों का हवाला दिया गया। कुछ दल आरक्षण के भीतर आरक्षण की मांग कर रहे थे जबकि कुछ अन्य दलों ने इसका खुला विरोध किया। कांग्रेस इन मतभेदों को दूर करने और आवश्यक राजनीतिक सहमति बनाने में सफल नहीं हो सकी। परिणाम यह हुआ कि विधेयक कानून नहीं बन पाया।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर प्रश्न उठते हैं। यदि किसी सरकार की प्राथमिकता वास्तव में किसी ऐतिहासिक सुधार को लागू करना हो तो वह व्यापक संवाद स्थापित कर राजनीतिक सहमति बनाने का प्रयास करती है। महिला आरक्षण के मामले में यह प्रक्रिया पूरी मजबूती से आगे नहीं बढ़ सकी। कई अवसर ऐसे आए जब सरकार अधिक निर्णायक भूमिका निभा सकती थी लेकिन राजनीतिक जोखिम उठाने से परहेज किया गया। इसलिए यह कहना उचित होगा कि केवल समर्थन व्यक्त करना पर्याप्त नहीं था बल्कि अंतिम परिणाम तक पहुंचना भी आवश्यक था। आज की परिस्थिति में विपक्ष का समर्थन स्वागत योग्य है। यदि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण के पक्ष में खड़े होते हैं तो यह देश के लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत होगा। इस विषय पर किसी प्रकार के राजनीतिक गिले शिकवे या पुराने विवादों को आगे बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। यह समय श्रेय लेने का नहीं बल्कि इतिहास बनाने का है। महिला आरक्षण केवल महिलाओं के लिए सीटें सुरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है। यह राजनीति की कार्यशैली में व्यापक परिवर्तन का माध्यम भी बन सकता है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से शिक्षा स्वास्थ्य पोषण महिला सुरक्षा बाल कल्याण और सामाजिक विकास जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। विश्व के अनेक देशों का अनुभव भी यही बताता है कि महिलाओं की प्रभावी भागीदारी से लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनती हैं।

यह भी याद रखना चाहिए कि आरक्षण का उद्देश्य किसी को विशेष लाभ देना नहीं बल्कि लंबे समय से चली आ रही असमानता को दूर करना है। समाज में महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध की है। विज्ञान खेल सेना न्यायपालिका प्रशासन उद्योग और अंतरिक्ष तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। अब राजनीति में भी समान अवसर देना समय की मांग है। मानसून सत्र को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं उससे उम्मीद जगी है कि इस बार केवल चर्चा नहीं होगी बल्कि ठोस परिणाम भी सामने आएगा। सरकार यदि पूरी तैयारी के साथ विधेयक लाती है और विपक्ष उसी सकारात्मक भावना के साथ सहयोग करता है तो यह भारतीय संसद की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा। आज देश की करोड़ों महिलाएं इस ऐतिहासिक निर्णय की प्रतीक्षा कर रही हैं। वे केवल वादा नहीं बल्कि अधिकार चाहती हैं। वे केवल प्रतीकात्मक सम्मान नहीं बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबरी की भागीदारी चाहती हैं। यही लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ भी है। अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि महिला आरक्षण का सही समय आ चुका है। तीन दशकों से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने की ओर है। राजनीतिक दलों ने यदि परिपक्वता का परिचय दिया और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखा तो आने वाला मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। यह केवल एक कानून नहीं होगा बल्कि आधी आबादी के सम्मान समान अधिकार और सशक्त भविष्य का नया संकल्प होगा।

श्रेया के खुलासे से लॉकअप के घर में खड़ा हुआ नया विवाद

हाल ही में रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। शो एक एपिसोड में श्रेया कालरा ने बताया कि एक्ट्रेस और साथी कंटेस्टेंट शिवांगी जोशी ने एक बार उनकी और एक्टर कुशल टंडन की पूरी चैट पढ़ी थी। यह घटना तब हुई थी जब कुशल ने कथित तौर पर शिवांगी को डेट करते हुए श्रेया को मैसेज किया था। श्रेया के इस खुलासे ने लॉक अप के घर में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है और दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। लॉक अप 2 के हालिया एपिसोड में, श्रेया ने अपनी साथी कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे से बात करते हुए यह बात बताई। उस घटना को याद करते हुए श्रेया ने कहा कि वह शिवांगी के एक टीवी शो के लिए प्रमोशनल वीडियो की शूटिंग कर रही थीं, तभी कुशल ने सोशल मीडिया पर उनसे संपर्क किया। श्रेया ने बताया, शूट के बाद उन्होंने मुझे मैसेज किया। उस समय मैं किसी को डेट कर रही थी। उस समय कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच कुछ चल रहा था। मुझे इसके बारे में पता नहीं था। उनके अनुसार, उन्हें इस रिश्ते की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुशल उन्हें मैसेज करते रहे, लेकिन वह एक कमिटेड रिलेशनशिप में थीं और उन्होंने बातचीत को आगे न बढ़ाने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि बातचीत में कुछ गड़बड़ है। श्रेया ने कहा, उन्होंने मुझसे बात करना शुरू किया। मुझे कुछ शक हुआ और मैंने बात रोक दी। फिर, शिवांगी और मैं सेट पर मिले और उन्होंने कहा, ओह हाय! हां! उन्होंने मुझे तुम्हारे बारे में बताया था कि तुमने उन्हें फॉलो किया और मैसेज किया। मैंने कहा, एक्सक्यूज मी! मैं किसी आदमी से संपर्क करने वाली पहली इंसान नहीं होऊंगी। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में ऐसा कभी नहीं किया है। इस पर श्रेया ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए तुरंत शिवांगी को अपना फोन दे दिया ताकि कोई गलतफहमी हो तो वह दूर हो जाए। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें अपना फोन दे दिया।

उन्होंने मेरी पूरी चैट पढ़ी। मैंने कोई फ्लर्ट नहीं किया और न ही कुछ कहा। बातचीत में आगे शिल्पा शिंदे ने पूछा कि क्या मैसेज पढने के बाद शिवांगी रोई थीं। श्रेया ने जवाब दिया, शूट के बाद सेट पर वह रोई थीं। श्रेया ने बताया कि इस घटना के 3-5 महीने बाद, उस लडक़े ने एक स्टोरी पोस्ट करके बताया कि उनका ब्रेकअप हो गया था, जिससे इस मामले को और भी भावनात्मक मोड़ मिल गया। श्रेया ने आगे दावा किया कि बाद में लॉक अप 2 में साथ रहने के दौरान उन्होंने शिवांगी के पुराने रिश्ते का जिक्र किया ताकि यह समझ सकें कि कपल के बीच क्या गलत हुआ था। हालांकि, उनके अनुसार, शिवांगी ने इस मामले पर चर्चा न करने का फैसला किया और बातचीत का रुख मोड़ दिया, जिससे यह मामला और भी गहरा गया। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि टीवी शो बरसातें - मौसम प्यार का में साथ काम करते हुए कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच डेटिंग शुरू होने की खबरें आई थीं।

फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग शुरु हुई यूनाइटेड किंगडम में

अपकमिंग हिंदी फिल्म 'अंतराल' की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम में शुरु हो चुकी हैं। फिल्म में कहानी में है प्यार भीज् और खतरा भी, जो दर्शकों को एक नई तरह की सिनेमाई यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। अभिनेता पुष्कर जोग ने सोशल मीडिया पर सेट से क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए इस नए सफर की उत्साहजनक शुरुआत की अनाउंसमेंट की। इस घोषणा ने उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ा दी है, जो उनके नए प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा, यूनाइटेड किंगडम में सेट पर अपनी अगली हिंदी हॉरर रोमांटिक ड्रामा फिल्म अंतराल की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। यह एक ब्रिटिश इंडियन क्रॉसओवर फीचर फिल्म है, जिसमें मैं और अनीसा हैं। इस पोस्ट ने फिल्म के बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक आयाम को भी स्पष्ट किया, जो इसे और भी दिलचस्प बनाता है। इस फिल्म में पुष्कर जोग के साथ प्रतिभाशाली अभिनेत्री अनीसा बट नजर आएंगी, जिनकी केमिस्ट्री पर्दे पर देखना रोमांचक होगा। फिल्म को गूजबंप्स एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहा है, जो अपनी अनोखी कहानियों और उच्च प्रोडक्शन मूल्यों के लिए जाना जाता है। इस फिल्म को ब्रिटिश इंडियन फिल्ममेकर तेजा सलादी ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जिससे कहानी में एक अंतरराष्ट्रीय स्पर्श और दृष्टिकोण आने की उम्मीद है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी निखिल रानाडे संभाल रहे हैं, जिनकी कलात्मक दृष्टि इस हॉरर रोमांटिक ड्रामा को और भी आकर्षक बनाएगी।

भारतीय सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और लीक से हटकर किरदारों के चयन के लिए पहचाने जाने वाले पुष्कर जोग हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनते हैं जो उन्हें रचनात्मक रूप से चुनौती दें और दर्शकों को कुछ नया अनुभव कराएं। 'अंतराल' भी उसी कड़ी की एक दिलचस्प नई पेशकश है, जहाँ वह एक हॉरर और रोमांस के अनूठे मिश्रण को अपनी अभिनय क्षमता से जीवंत करेंगे। उनका यह चुनाव उनके आत्मविश्वास और नए प्रयोगों के प्रति उनके जुनून को दर्शाता है। पुष्कर के इस नए अपडेट पर फैंस और इंडस्ट्री दोनों की तरफ से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। हर कोई इस फ्रेश और दिलचस्प फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, खासकर इसके अनोखे जॉनर (हॉरर रोमांटिक ड्रामा) और ब्रिटिश-इंडियन क्रॉसओवर होने के कारण। यूके में शूटिंग जारी है, जो फिल्म के प्रोडक्शन के स्तर को और भी बढ़ा देता है। उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और भी रोमांचक डिटेल्स सामने आएंगी।

आकांक्षा ने सैर करवाई 'इक्का' के सेट के पीछे की दुनिया की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन ने अपने फैंस को सस्पेंस से भरपूर फिल्म 'इक्का' के सेट के पीछे की दुनिया की एक एक्सक्लूसिव सैर करवाई। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आकांक्षा रंजन ने एक विशेष बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) कैरोसेल साझा किया, जिसमें अपने किरदार 'सोमा मेहतानी' को पर्दे पर जीवंत करने के पीछे की गहन मेहनत और समर्पण की एक झलक देखने को मिली। इन तस्वीरों ने फिल्म निर्माण की वास्तविक बैकस्टेज कहानी को उजागर किया, जिससे दर्शकों को पता चला कि पर्दे पर दिखने वाली कहानी को बनाने में कितनी बारीकी और परिश्रम लगता है। बीटीएस कैरोसेल में सेट के कई दिलचस्प पल शामिल थे, जिन्होंने फिल्ममेकिंग के हर पहलू को दर्शाया। कभी आकांक्षा घंटों तक प्रोस्थेटिक मेकअप में मेहनत झेलती नजर आईं, जो उनके किरदार की जटिलता और उसमें लगने वाले समय को दर्शाता है। कभी वह अनुभवी अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखीं, जिससे उनके अभिनय कौशल और सेट पर उनके तालमेल की झलक मिली। कॉस्ट्यूम ट्रायल्स की तस्वीरें भी साझा की गईं, जो किरदार के लुक को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को दर्शाती हैं।

इसके अलावा, क्लैपरबोर्ड के शॉट्स और फिल्म में दिखे उनके हॉस्पिटल लुक की झलकियां भी इस कैरोसेल का हिस्सा थीं, जिससे फैंस को फिल्म के निर्माण के हर चरण की जानकारी मिली। इन तस्वीरों ने दर्शकों को फिल्म बनाने की दुनिया के करीब ला दिया और कलाकारों की लगन से रूबरू कराया। आकांक्षा ने अपने पोस्ट पर एक दमदार कैप्शन दिया, रहमान डकैत की दी हुई मौत बड़ी कसाईनुमा होती है। यह कैप्शन फिल्म के गहरे और रहस्यमयी प्लॉट की ओर इशारा करता है, और उनके किरदार सोमा मेहतानी की कहानी में होने वाले दर्दनाक अनुभवों की झलक देता है। 'इक्का' में आकांक्षा ने सोमा मेहतानी का किरदार निभाया है, जो फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी का दिल है। कोर्टरूम थ्रिलर जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, कहानी का हर मोड़ और भावनात्मक टकराव सोमा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिससे आकांक्षा की परफॉर्मेंस इस फिल्म की जान बन जाती है। उनका किरदार दर्शकों को सीट से बांधे रखने में कामयाब रहा और उन्होंने अपनी भावनाओं के जरिए फिल्म को एक नया आयाम दिया। ओटीटी पर रिलीज हुई 'इक्का' इस साल आकांक्षा का दूसरा प्रमुख प्रोजेक्ट है, जो उनके करियर की तेज रफ्तार को दर्शाता है। इससे पहले, वह ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 में डॉ. गर्गी के उनके किरदार के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से खूब प्यार और सराहना पा चुकी हैं। इस साल की दो दमदार रिलीज़ के साथ, आकांक्षा रंजन अपने करियर में जबरदस्त रफ्तार पकड़ रही हैं और खुद को एक बहुमुखी और प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर रही हैं। आगे भी आकांक्षा के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं, जिनकी अनाउंसमेंट आने वाले महीनों में होने वाली है।

संगीत परिवार में जन्मीं थी सुलक्षणा पंडित, दर्द भरी थी जिंदगी

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में जन्मीं अभिनेत्री और पाश्र्व गायिका सुलक्षणा पंडित बचपन से ही संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं। सुलक्षणा पंडित ने अपने अभिनय और मधुर आवाज के दम पर फिल्म जगत में अलग पहचान बनाई। उनके पिता और चाचा शास्त्रीय संगीत के जाने-माने कलाकार थे, जबकि उनके भाई जतिन और ललित आगे चलकर हिंदी सिनेमा की सफल संगीतकार जोड़ी के रूप में स्थापित हुए। जतिन-ललित ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है और मोहब्बतें जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार संगीत दिया। सुलक्षणा पंडित ने बेहद कम उम्र में ही पाश्र्व गायन की शुरुआत कर दी थी। मात्र नौ वर्ष की आयु में उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा और वर्ष 1967 में फिल्म तकदीर के गीत सात समुंदर पार से में लता मंगेशकर के साथ अपनी आवाज देकर पहचान हासिल की। इसके बाद उन्होंने लगभग 70 से अधिक फिल्मों में गीत गाए। मौसम मौसम लवली मौसम, जब आती होगी याद मेरी, बेकरार दिल तू गाए जा, प्यारे-प्यारे से लगते हैं आप, परदेसिया तेरे देश में, दिल-ए-नादान तुझे हुआ क्या है और तुम जो मिल गए जैसे कई लोकप्रिय गीतों ने उन्हें एक सफल गायिका के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1975 में फिल्म संकल्प के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ पाश्र्व गायिका का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। गायन के साथ-साथ सुलक्षणा पंडित ने अभिनय में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने वर्ष 1975 में अभिनेता संजीव कुमार के साथ फिल्म उलझन से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह हेराफेरी, अपनापन, फांसी, वक्त की दीवार, दो वक्त की रोटी और धर्म कांटा जैसी कई फिल्मों में नजर आईं।

उन्होंने जीतेंद्र, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना, शशि कपूर, अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया और 1970 तथा 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल रहीं। सुलक्षणा पंडित की निजी जिंदगी उतनी सुखद नहीं रही, जितनी उनकी पेशेवर सफलता थी। फिल्म उलझन की शूटिंग के दौरान उन्हें अभिनेता संजीव कुमार से प्रेम हो गया था। उन्होंने विवाह का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन संजीव कुमार ने इसे स्वीकार नहीं किया। इस घटना ने उन्हें गहरा मानसिक आघात पहुंचाया। वर्ष 1985 में संजीव कुमार के निधन और उसके कुछ समय बाद अपनी मां को खो देने के बाद वह पूरी तरह टूट गईं। इन घटनाओं के बाद उन्होंने विवाह न करने का फैसला किया और धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से भी दूरी बना ली। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में सुलक्षणा पंडित सार्वजनिक जीवन से लगभग दूर रहीं। उनकी सुरीली आवाज, प्रभावशाली अभिनय और सादगी भरा व्यक्तित्व आज भी सिने प्रेमियों के दिलों में जीवित है।

हेमा मालिनी को फिल्मों से पहले ही मिल गई थी ड्रीम गर्ल पहचान

अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद हेमा मालिनी के फैंस को अक्सर लगता है कि उन्हे ड्रीम गर्ल की पहचान साल 1977 में आई उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल की वजह से मिली होगी, लेकिन सच्चाई कुछ और है। हेमा मालिनी को यह खास पहचान बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही मिल गई थी। एक दूरदर्शी निर्माता ने उन्हें ड्रीम गर्ल के रूप में दर्शकों के सामने पेश करना शुरू कर दिया था। वर्षों बाद, खुद हेमा मालिनी ने एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए खुलासा किया कि कैसे एक निर्माता की अनूठी सोच ने उनकी पूरी जिंदगी की पहचान तय कर दी। हेमा मालिनी ने यह खुलासा एक लोकप्रिय शो में किया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, जब मेरी पहली हिंदी फिल्म सपनों का सौदागर रिलीज होने वाली थी, तब फिल्म के निर्माता बी. आनंदस्वामी ने प्रमोशन के लिए एक बेहद अलग रणनीति अपनाई।

उन्होंने हर जगह ड्रीम गर्ल कमिंग टू टाउन लिखवाना शुरू कर दिया। उस समय कहीं भी मेरा नाम नहीं लिखा जाता था। यह देखकर मैं खुद हैरान थीं कि आखिर मेरा नाम क्यों नहीं दिख रहा है और यह ड्रीम गर्ल कौन है। हेमा मालिनी ने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया, मैंने निर्माता से इस बारे में सवाल भी किया था कि मेरा नाम पोस्टर या विज्ञापनों में क्यों नहीं है। तब निर्माता बी. आनंदस्वामी ने मुझसे कहा- यही तुम्हारी नई पहचान बनने वाली है। पहले लोगों के बीच ड्रीम गर्ल का नाम लोकप्रिय होगा और जब यह नाम हर जुबान पर होगा, तब बताया जाएगा कि यह ड्रीम गर्ल आखिर है कौन। इसके बाद तुम्हारा नाम सामने लाया जाएगा। निर्माता की यह अनूठी योजना पूरी तरह सफल रही और देखते ही देखते लोग मुझे ड्रीम गर्ल के नाम से पहचानने लगे। यह एक मार्केटिंग रणनीति थी जो मेरी पहचान बन गई। साल 1968 में रिलीज हुई सपनों का सौदागर हेमा मालिनी की पहली हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म का निर्देशन महेश कौल ने किया था, जबकि निर्माता बी. आनंदस्वामी थे।

फिल्म में उनके साथ हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राज कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म के गीतों को मशहूर संगीतकार जोड़ी शंकर-जयकिशन ने संगीत दिया था। इसी फिल्म के जरिए हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की और आगे चलकर हिंदी सिनेमा की सबसे सफल और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। दिलचस्प बात यह रही कि करीब नौ साल बाद, साल 1977 में हेमा मालिनी ने ड्रीम गर्ल नाम की एक फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाई। इस फिल्म का निर्देशन प्रमोद चक्रवर्ती ने किया था। फिल्म में उनके साथ अशोक कुमार, धर्मेंद्र और प्रेम चोपड़ा जैसे बड़े कलाकार भी नजर आए थे। फिल्म की कहानी एक ऐसी युवती की थी, जो एक अनाथालय चलाने के लिए अलग-अलग रूप धारण कर लोगों से पैसे जुटाती है।

न्यूज ब्रीफ

तोड़ा रवींद्र जडेजा का रिकॉर्ड वनडे में पूरे किए 150 विकेट

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर अपनी घातक गेंदबाजी से इतिहास रच दिया। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मुकाबले में बुमराह ने एक साथ दो बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कर लीं। उन्होंने न सिर्फ वनडे क्रिकेट में 150 विकेट पूरे किए, बल्कि इंग्लैंड की धरती पर भारत के सबसे सफल वनडे गेंदबाज भी बन गए। बुमराह ने इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को शानदार धीमी गेंद पर आउट कर अपना 150वां वनडे विकेट हासिल किया। उनकी चतुराई भरी गेंद को ब्रूक समझ नहीं पाए और गेंद बल्ले का किनारा लेकर पहली स्लिप में खड़े रोहित शर्मा के हाथों में समा गई। इस विकेट के साथ बुमराह ने इंग्लैंड में अपने 31 वनडे विकेट पूरे किए और भारत के दिग्गज ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (30 विकेट) का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम जारी रहेगा : आईसीसी

एडिनबर्ग। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक अहम फैसले में अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही आईसीसी बोर्ड ने एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया है, जिससे साल 2030 तक इन महिला खिलाडि ों को आईसीसी के क्वालिफिकेशन पाथवे में शामिल करने के लिए भविष्य की योजना बनायी जा सके। जिम्मेदारी सौंपी गई है। ईसीसी की इस सालान बोर्ड बैठक में स्वतंत्र निदेशक डॉ. रोज रिवाज और आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति की सदस्य सारा कीन को भी स्पेशल टास्क फोर्स में शामिल किये जाने पर सहमति बन गयी। ये दोनों ही बीसीसीआई, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करेंगे। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य महिला क्रिकेट कार्यक्रम की लगातार निगरानी करना है, जिससे खिलाडि ों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। डॉ. रॉस रिवाज ने इस अवसर पर कहा, टास्क फोर्स को एक स्पष्ट और टिकाऊ रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसका लक्ष्य संरचित कोचिंग, सार्थक प्रतिस्पर्धी अवसरों और सही हाई-परफॉर्मेंस पाथवे के माध्यम से अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लगातार विकास में सहायता करना है।

हनुमा ने गंभीर पर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को ही अवसर देने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा विहारी ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर जमकर निशान साधा है। हनुमा ने कहा है कि गंभीर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को वरीयता देते है। इसी कारण आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। हनुमा ने कहा कि खराब फॉर्म के बाद भी ऑलराउंडर शिवम दुबे और वॉशिंगटन सुंदर को लगातार अवसर दिये जा रहे है। इसका कारण है कि उनके कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं जिन्हें वह लगातार अवसर देना चाहते हैं। फिर चाहे वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों यहा नहीं। इस क्रिकेटर ने टीम में कुछ खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, शिवम न तो अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, न ही बल्लेबाजी फिर भी हर मैच में नजर आ रहे हैं।। साथ ही कहा कि वाशिंगटन सुंदर अभी भी टीम में क्यों बने हुए हैं जबकि पिछले कुछ समय में एक बार भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। हनुमा री ने टीम में लगातार बदलावों को लेकर भी गंभीर की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अनुभवी संजू सैमसन को आयरलैंड में दो अवसर देन के बाद बाहर कर दिया गया, और फिर वैभव सूर्यवंशी के साथ भी यही हुआ। इससे टीम में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा, अगर आप प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको बाहर कर दिया जाएगा। आपको खिलाड़ियों को लंबा अवसर देना चाहिए। अगर आप वैभव को शामिल कर रहे हैं तो उसे कम से कम उसे पांच या छह मैच दें और फिर तय करें कि वह काफी अच्छा है या नहीं।

अक्षर पटेल का एजबेस्टन में ऑलराउंड धमाका!

4 विकेट और नाबाद 57 रन से रचा इतिहास, सचिन-गांगुली के एलीट क्लब में बनाई जगह

बर्मिंघम ● एजेंसी

बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेले गए भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज की। यूके दौरे पर लगातार छह मैचों में हार के बाद भारत की यह पहली जीत रही। इस जीत के सबसे बड़े नायक अक्षर पटेल रहे, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने पहले गेंदबाजी में 4 विकेट झटके और फिर दबाव की स्थिति में नाबाद 57 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सचिन और गांगुली के खास क्लब में शामिल हुए अक्षर

अक्षर पटेल ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी बल्लेबाजी में लगातार सुधार किया है और उसका असर इस मुकाबले में भी देखने को मिला। भारत का चौथा विकेट 160 रन पर गिरने के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे अक्षर ने बिना दबाव के सकारात्मक बल्लेबाजी की। उन्होंने 52 गेंदों में 57 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

इसके अलावा उन्होंने वॉशिंगटन सुंदर के साथ छठे विकेट के लिए 102 रनों की अविजित साझेदारी कर भारत को शानदार जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ अक्षर पटेल अब वनडे क्रिकेट में एक ही मैच में 50 या उससे अधिक रन और चार या उससे अधिक विकेट लेने वाले भारत के छठे खिलाड़ी बन गए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ बनाया एक और खास रिकॉर्ड

अक्षर पटेल को इस मुकाबले में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके साथ ही वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट, वनडे और टी20–तीनों प्रारुपों में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव हासिल कर चुके हैं। भारत के लिए अक्षर पटेल का यह प्रदर्शन न सिर्फ जीत का आधार बना, बल्कि उन्होंने अपने करियर में एक और यादगार उपलब्धि भी जोड़ ली।

फीफा विश्वकप : सेमीफाइनल में स्पेन के हाथों हार से बाहर हुई फ्रांस

एमबाप्पे का तीसरी बार फाइनल खेलने का सपना टूटा

डलास ● एजेंसी

फ्रांस की टीम फीफा विश्वकप फुटबॉल में यहां हुए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों 0-2 से करारी हार के साथ ही बाहर हो गयी है। इसी के साथ ही फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे का लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल खेलने का सपना टूट गया है। फ्रांस की हार का कारण एमबाप्पे बने जबकि सभी को उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह लय में नहीं दिखे। एमबाप्पे टीम के लिए सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए। सेमीफाइनल में उनका प्रदर्शन उनके कद के अनुरूप बिल्कुल नहीं रहा जबकि वह अभी भी गोल्डन बूट की रेस में बने हुए हैं।

इस पूरे मुकाबले के दौरान, एमबाप्पे जिस गति और तेजी के लिए जाने जाते हैं। वह नहीं दिखी। पहले हाफ में, उन्होंने सभी फॉरवर्ड खिलाडिय़ों में सबसे कम, केवल 15 बार ही गेंद हासिल कर सके। यह उनके जैसे खिलाड़ी के लिए काफी कम था जिस पर टीम के आक्रमण की जिम्मेदारी थी। मैच में उन्हें 67वें मिनट में अवसर मिला पर उनका शॉट स्पेन के डिफेंडर मार्क कुकुरेला से टकराकर थोड़ा बाहर चला गया। हालांकि, उस समय तक फ्रांस पहले ही दो गोल से पीछे हो गय था। जिससे यह मौका भी पर्याप्त नहीं कहा जा सकता था।

एमबाप्पे को 86वें मिनट में पीला कार्ड भी दिखाया गया, तब वह स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन से टकरा गए। सिमोन झुककर गेंद उठाने की कोशिश कर रहे थे, और एमबाप्पे की तेजी के कारण दोनों के बीच टक्कर हुई, जिससे सिमोन मैदान पर गिर गए। यह घटना मैदान पर उनकी बढ़ती निराशा और मैच में असफलता को दिखाती है। इससे पहले मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में उन्हें 77वें मिनट में मैदान से बाहर कर दिया गया था, हालांकि उस मैच में उन्होंने टूर्नामेंट का अपना आठवां गोल जरूर किया था, जिससे उनका गोल्डन बूट की दौड़ में बने रहना सुनिश्चित हुआ।

अब फ्रांस शनिवार को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में तीसरे स्थान के मुकाबले में दूसरे सेमीफाइनल में हारने वाली टीम से खेलेगी।

एमबाप्पे ने चार साल पहले कतर विश्व कप में भी आठ गोल किए थे, जहां फाइनल में फ्रांस को अर्जेंटीना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था। इससे आठ साल पहले रूस में हुए विश्व कप में फ्रांस ने क्रोएशिया को हराकर चैंपियन का खिताब जीता था। यह लगातार तीसरा फाइनल खेलने का उनका सपना था, जो इस बार टूट गया।

महिला क्रिकेट को नई दिशा देने घरेलू स्तर पर लाल गेंद के मुकाबले शुरु करें : शांता रंगास्वामी

चेन्नई ● एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि महिला क्रिकेट को एक नई दिशा देने और खिलाडिय़ों के कौशल को निखारने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का आयोजन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को पूरी तरह से दोबारा शुरू करने की मांग की है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बेहतर तकनीक वाले खिलाडिय़ों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट का महत्व सबसे अधिक है। रंगास्वामी ने कहा, जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी, तो मैंने अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया था। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया, पर यह केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नॉकआउट प्रारूप में ही सीमित रही जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बीसीसीआई से कहा है कि वह अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टीमों के लिए पहले की तरह ही टेस्ट मेचों की प्रतियोगिताओं को शुरू करे। साथ ही कहा कि हमारी महिला क्रिकेटरों के कौशल को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक बनाने के लिए यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। रंगास्वामी ने कि लंबी अवधि का प्रारूप ही क्रिकेट के मूलभूत सिद्धांतों और बेहतर तकनीक वाले क्रिकेटर तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। इससे निकलकर पाये खिलाड़ी ही सीमित ओवरों के प्रारुप में भी सफल होते हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली ● एजेंसी

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाडिय़ों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाडिय़ों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोडिय़ां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाडिय़ों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाडिय़ों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

बॉटम

12 दिसंबर को चेन्नई में खेला जाएगा पहला मैच

सीए ने जारी किया बीबीएल 2026-27 सत्र का कार्यक्रम

मेलबर्न ● एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) 2026-27 सत्र का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। महत्वपूर्ण बात ये है कि इस सत्र का शुरुआती मुकाबला भारत में खेला जाएगा। सत्र की शुरुआत 12 दिसंबर, 2026 को हो रही है और इसका खिताबी मुकाबला 26 जनवरी, 2027 को खेला जाएगा पर सबसे अहम बात ये है कि लीग के 15 साल के इतिहास में ये पहली बार होगा टूर्नामेंट की शुरुआत भारत में खेले गये मैच से होगी। ये मैच चेन्नई में खेला जाएगा। ये दिखाता है कि वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य में भारत का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। लीग का पहला और ऐतिहासिक मुकाबला चेन्नई के प्रतिष्ठित एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस उद्घाटन मैच में डिफेंडिंग चैंपियन पर्थ स्कॉर्चर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के बीच टक्कर होगी। यह मैच न केवल बीबीएल के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक होगा, बल्कि भारतीय दर्शकों को अपनी धरती पर एक विदेशी टी-20 लीग का रोमांचक मुकाबला देखने का अवसर मिलेगा। इसके लिए मेलबर्न रेनेगेड्स को घरेलू टीम का दर्जा दिया गया है जिससे इस आयोजन की भव्यता नजर आती है। यह फैसला सीए की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वे दुनिया के सबसे बड़े

क्रिकेट बाजार भारत में अपनी लीग की पैठ बनाना चाहते हैं। भारत में क्रिकेट के प्रति दीवानगी और दर्शकों की विशाल संख्या को देखते हुए। सीऐ को उम्मीद है कि उसे अच्छा खासा राजस्व मिलेगा। इस मैच के सफल होने पर भविष्य में वह और भी मैचों का आयोजन भरत में कर सकता है।

चेन्नई में यह शुरुआत मैच बीबीएल की वैश्विक पहुंच और ब्रांड वैल्यू को निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। यह कदम वैश्विक टी-20 लीग के बढ़ते प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में बीबीएल को प्रासंगिक और आकर्षक बनाए रखने में भी मदद करेगा। इस ऐतिहासिक घोषणा का महत्व सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। यह घटना भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहरे होते राजनयिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी दर्शाती है। हाल ही में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेलबर्न क्रिकेट मैदान में बीबीएल के पहले मैच के भरता में आयोजित किये जाने की घोषणा की थी। आगामी बीबीएल सीजऩ में प्लेऑफ और फाइनल सहित कुल 44 मैच खेले जाएंगे, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ-साथ अब भारतीय दर्शक भी शुरू से ही इस लीग से जुड़ पाएंगे। चेन्नई में होने वाला यह मैच सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्रिकेट के जुनून का एक उत्सव होगा। यह बीबीएल के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा और क्रिकेट प्रेमियों को 2026-27 के सीजऩ का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

टीएमसी के वरिष्ठ विधायक मदन मित्रा बागी गुट में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता और विधायक मदन मित्रा ने पार्टी नेतृत्व से दूरी बनाते हुए ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट का दामन थाम लिया है। हालांकि उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया है। उनका यह फैसला ऐसे समय आया है जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) म्युनिसिपल भर्ती घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके परिवार से पूछताछ कर रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईडी ने एक दिन पहले ही मदन मित्रा की पत्नी और उनके दो बेटों को पूछताछ के लिए तलब किया था। इसके अगले ही दिन मित्रा ने बागी गुट में शामिल होने की घोषणा कर दी। इसके बाद उन्होंने बागी विधायक दल के नेता ऋतब्रत बनर्जी और अन्य नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। प्रेस वार्ता में मदन मित्रा ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है, लेकिन पूरा ध्यान केवल एक व्यक्ति को बचाने पर केंद्रित है।

पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, केवल विदेश यात्रा का दस्तावेज : केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने फिर स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, बल्कि यह केवल देश से बाहर यात्रा करने के लिए पहचान दस्तावेज है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के तहत भारतीय नागरिकों को यह दस्तावेज यात्रा सुविधा के लिए जारी होता है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह एक आधिकारिक दस्तावेज है जिसे गहन जांच और सत्यापन प्रक्रिया के बाद जारी किया जाता है। इसका संचालन पासपोर्ट अधिनियम, 1967 और पासपोर्ट नियम, 1980 के कड़े प्रावधानों के तहत होता है। जायसवाल ने महत्वपूर्ण आंकड़ा भी साझा किया कि देश के 8 प्रतिशत से भी कम नागरिकों के पास पासपोर्ट है। इसके पहले, 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भी विदेश मंत्रालय ने बताया था कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का सबूत नहीं। विदेश मंत्रालय ने 2013 के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया था, जिसमें पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना गया था।

पजामे का नाड़ा खोलना...जैसी टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त,

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराध से जुड़े मुकदमों में न्यायिक संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए तैयार की गई राष्ट्रीय गाइडलाइंस को मंजूरी दे दी है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने देश की सभी अदालतों को मंजूर की गई गाइडलाइंस या हैंडबुक में दिए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया है। यह कदम अदालतों के फैसलों में एकरूपता और संवेदनशीलता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ये गाइडलाइंस नेशनल जुडिशल एकेडमी की विशेषज्ञ समिति ने तैयार की थीं, जिनकी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई थी। सीजेआई के आदेश के अनुसार, इन गाइडलाइंस को सुप्रीम कोर्ट, सभी हाई कोर्ट और जिला अदालतों की वेबसाइटों पर अपलोड किया जाएगा। साथ ही, इन्हें नेशनल जुडिशल एकेडमी सहित सभी प्रदेश न्यायिक अकादमियों, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और विभिन्न विश्वविद्यालयों के विधि विभागों में भी वितरित किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ये गाइडलाइंस न्यायिक आदेश का हिस्सा बनेंगी। इन दिशा-निर्देशों का पालन केवल अदालतों तक सीमित नहीं रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के डायरेक्टर ऑफ प्रॉसिक्यूशन और डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस को निर्देश दिया है कि वे सभी पुलिस स्टेशनों को इन हैंडबुक में कही गई बातों का पालन करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करें।

10 लाख से अधिक भक्तों के पहुंचने की उम्मीद

विश्वप्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा की शुरुआत आज से

पुरी ● एजेंसी

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगी। इस नौ दिवसीय धार्मिक उत्सव में देश-विदेश से 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा को लेकर पुरी में तैयारियों का दौर अंतिम चरण में हैं, तो वहीं होटल और लॉज महीनों पहले ही पूरी तरह बुक हो चुके हैं। ऐसे में प्रोफेसर डॉ शेख मकबूल इस्लाम की चर्चा भी हो रही है, जो कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक का हवाला देते हुए कहते हैं कि जब शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी है और आत्मा उसका स्वामी है, तो अलग रथ की आवश्यकता नहीं।

विश्वप्रसिद्ध रथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को लेकर जिला प्रशासन का कहना है, कि इस वर्ष फरवरी से ही होटल बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास स्थित होटलों की सर्वाधिक मांग रही है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़कियां रथयात्रा मार्ग की तरफ खुलती हैं, उनके कमरे सबसे पहले बुक हो गए। जैसे ही मांग बढ़ी वैसे ही किराए में भी भारी उछाल आ गया। सामान्य दिनों में 1,500 से 2,000 रुपये प्रतिदिन से मिलने वाले कमरे रथयात्रा के दौरान तीन दिनों के लिए 50 हजार रुपये तक में बुक किए जा रहे हैं। पूरे पुरी शहर में लगभग 1,200 होटल और लॉज हैं, जिनमें अधिकांश पहले से बुक हो चुके हैं।

इस अनूठी परंपरा का आधार है कठोपनिषद् का प्रसिद्ध श्लोक

वे अपनी परंपरा का आधार कठोपनिषद् के प्रसिद्ध श्लोक आत्मानं रथिनं विद्धि, शरीरं रथमेव तुज् को बताते हैं। उनके अनुसार, जब शरीर स्वयं रथ है, बुद्धि सारथी है और आत्मा उसका स्वामी है, तो अलग रथ की आवश्यकता नहीं। डॉ. इस्लाम पूरी तरह शाकाहारी हैं और पुरी की परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ को 35 प्रकार के सात्विक भोग अर्पित करते हैं। उनकी यह पहल धार्मिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का अनूठा उदाहरण मानी जाती है।

हावड़ा की रथयात्रा ने खींचा ध्यान

इसी बीच पश्चिम बंगाल के हावड़ा की एक अनोखी रथयात्रा भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। दरअसल यहां न तो विशाल रथ बनाया जाता है और न ही उसे रस्सियों से खींचा जाता है। बल्कि कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल मिशन कॉलेज के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेख मकबूल इस्लाम भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन के विग्रह को अपनी गोद में लेकर करीब 400 मीटर की परिक्रमा करते हैं। इस अनूठी यात्रा में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग समान रुप से भाग लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ. शेख मकबूल इस्लाम वर्ष 1992 से भगवान जगन्नाथ पर शोध कर रहे हैं और इस विषय पर 14 से अधिक पुस्तकें लिख चुके हैं। वर्ष 1996 से उनके घर में भगवान जगन्नाथ का विग्रह स्थापित है, जबकि 2009 से वे हर वर्ष इस विशेष परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट से चारा घोटाला में राहत मिलने पर लालू यादव बोले- हां, मैं खुश हूं

घर से बाहर निकलने पर समर्थकों ने किया स्वागत, लालू के साथ सेल्फी भी ली

पटना ● एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर खुशी जाहिर की। अपने आवास से बाहर निकलने पर समर्थकों ने लालू यादव का जोरदार स्वागत किया और उनके साथ सेल्फी ली। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में लालू यादव ने कहा कि हां, मैं खुश हूं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव को राहत देते हुए उनकी जमानत रद्द करने और सजा निलंबन के आदेश को समाप्त करने से इनकार कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से जुड़े मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई राहत को बरकरार रखा। चारा घोटाला मामले में हाईकोर्ट ने

लालू प्रसाद यादव को जमानत देते हुए अंतिम फैसला आने तक उनकी सजा निलंबित रखी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट को उनकी लंबित आपराधिक अपील का निपटारा छह महीने के अंदर करने का निर्देश भी दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने मंगलवार को कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश को करीब सात साल बीत चुके हैं, इसलिए इस स्तर पर उसमें हस्तक्षेप करने की जरुरत नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 2018 से लंबित अपील पर अब शीघ्र सुनवाई होनी चाहिए। सीबीआई ने हाईकोर्ट के 12 जुलाई 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। सीबीआई का कहना था कि लालू प्रसाद यादव को इस आधार पर सजा निलंबन का लाभ दिया गया कि उन्होंने आधी सजा पूरी कर ली है, जबकि उसकी गणना सही नहीं थी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने दलील दी कि चारा घोटाले के अलग-अलग मामलों में सुनाई गई सजाएं क्रमवार चलनी चाहिए, जब तक कोर्ट अलग से कोई आदेश न दे। वहीं लालू यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इसका विरोध करते हुए कहा कि सजाएं साथ-साथ चलेंगी या अलग-अलग, इस पर फैसला अपील की अंतिम सुनवाई में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए लालू यादव को वही राहत दी थी, जो आधी सजा पूरी कर चुके अन्य दोषियों को भी दी गई थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सजा निलंबन का आदेश रद्द करने से इनकार कर दिया।

सोनम वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की लगातार बिगड़ती सेहत को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके अनशन से जुड़े मामले में तत्काल सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार से गुरुवार सुबह तक जवाब देने को कहा है। अदालत ने इस मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए जनहित याचिका पर सुनवाई की, जिसमें वांगचुक को तत्काल चिकित्सा सुविधा और जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराने की मांग की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पिछले 18 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के विरोध में और शिक्षा मंत्री प्रमोद प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में भूख हड़ताल पर हैं। याचिका के अनुसार अनशन के दौरान उनका करीब 8.25 किलोग्राम वजन कम हो चुका है। उन्हें लो ब्लड शुगर, चक्कर, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में कमजोरी जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

भारत और पोलैंड मिलकर करेंगे हथियार निर्माण

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के मेक इन इंडिया मिशन में अब एक बहुत ही ताकतवर ग्लोबल पार्टनर की एंट्री हो गई है। अब भारत और पोलैंड मिलकर बेहद आधुनिक और घातक मिलिट्री हथियार बनाने जा रहे हैं, और सबसे खास बात ये है कि ये सारे हथियार पूरी तरह से भारत की जमीन पर ही तैयार किए जाएंगे। खुद पोलैंड के उप विदेश मंत्री और सेक्रेटरी ऑफ स्टेट व्लादिस्लाव थियोफिल बार्टोसजेव्स्की ने इस बड़ी पार्टनरशिप का ऐलान किया है। इस खबर के सामने आते ही ग्लोबल डिफेंस मार्केट में जबरदस्त हलचल मच गई है, क्योंकि पोलैंड की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और भारत की विशाल मैन्युफैक्चरिंग पावर

मिलकर दुनिया भर में तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। यह समझौता केवल हथियारों की खरीद-फरोख्त तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच एक रणनीतिक और तकनीकी सहयोग का नया अध्याय लिखेगा।

भारत और पोलैंड अब मिलकर भारत में ही मिलिट्री से जुड़े हथियार और सिस्टम यानी डिफेंस प्लेटफॉर्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच इस पार्टनरशिप को लेकर गंभीर बातचीत चल रही है। पोलैंड के उप विदेश मंत्री और सेक्रेटरी ऑफ स्टेट व्लादिस्लाव थियोफिल बार्टोसजेव्स्की ने मंगलवार को खुद इस बात की जानकारी दी है। बार्टोसजेव्स्की ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, भारत उन खास रक्षा प्लेटफॉर्म में रुचि रखता है, जिन्हें हम बनाते हैं। हम इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि इन्हें भारत में कुछ भारतीय हिस्सेदारी के साथ कैसे बनाया जा सकता है। साथ ही, हम ये भी देख रहे हैं कि कुछ भारतीय प्लेटफॉर्म को पोलैंड में पोलिश भागीदारी के साथ जॉइंट वेंचर के जरिए बनाया जा सकता है। यह आदान-प्रदान दोनों देशों को एक-दूसरे की विशेषज्ञता से लाभ उठाने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा, मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए हम सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में अपना सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। हम केवल रक्षा उपकरण बेचने की बात नहीं कर रहे, बल्कि भारत में कुछ चीजों के उत्पादन के लिए मिलकर कंपनियां शुरू करने की संभावनाओं पर भी चर्चा कर रहे हैं। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को समझते हैं और चाहते हैं कि इन प्लेटफॉर्म में भारतीय और पोलिश दोनों देशों की भागीदारी हो। पोलैंड के मंत्री ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के महत्व पर भी जोर दिया, उनका मानना है कि इससे दोनों पक्षों के बीच व्यापार को काफी बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका की रूसी तेल खरीद पर सख्ती : भारत सहित 5 देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव

वॉशिंगटन ● एजेंसी

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़ा शिकंजा कसने की तैयारी शुरू की है। अमेरिकी सीनेट में संशोधित बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है। इस बिल का प्राथमिक उद्देश्य रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि यूक्रेन में उसके युद्ध लडऩे की क्षमता कमजोर हो सके। इस प्रस्तावित बिल के दायरे में भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान जैसे देश आ सकते हैं, जिन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है, जो इसकी कांग्रेस में पारित होने की संभावना को काफी बढ़ा देता है। यदि यह बिल कानून बनता है, तब अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है।

भारत के संदर्भ में, हाल ही में जून माह में देश ने रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो उसके कुल तेल आयात का 52.4 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में से एक से ज्यादा रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है और मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में लगभग 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। इस बिल में रूस के अधिकारियों, उसके शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे बाद में घटाकर 100 प्रतिशत किया गया। हालांकि, रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कुछ यूरोपीय देशों को राहत मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100 प्रतिशत टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को छूट इसलिए मिली है क्योंकि वे रूस से 15 प्रतिशत से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता कम कर रहे हैं। यह बिल अमेरिकी सीनेट में बाइपार्टिसन समर्थन के साथ आगे बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस प्रस्ताव पर सहमत हैं। हालांकि, कानून बनने के लिए अभी सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) दोनों से मंजूरी लेनी होगी, जिसके बाद राष्ट्रपति के हस्ताक्षर आवश्यक है।

बॉटम

स्थिति को नियंत्रित करने पुलिस और सीआरपीएफ के जवान तैनात

मणिपुर में असम राइफल्स कैंप पर हमला, आगजनी और तोडफ़ोड़ की

इंफाल ● एजेंसी

मणिपुर के सेनापति शहर में उग्र भीड़ ने असम राइफल्स के कैंप पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि भीड़ ने पत्थरबाजी, आगजनी और तोडफ़ोड़ की। यह हमला सशस्त्र उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे सुरक्षा अभियान को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया। हिंसा में भीड़ ने असम राइफल्स के कई वाहनों में तोडफ़ोड़ की और उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। एक वाहन को आग के हवाले कर दिया, जबकि दो ट्रकों को पलट दिया। घटना में एक आम नागरिक की कार को भी आग के हवाले कर दिया। मीडिया रिपोर्ट में रक्षा प्रवक्ता के हवाले से बताया गया है कि मकुइलोंगडी क्षेत्र में, जो ओकलोंग स्थित नामित एनएससीएन कैंप से करीब दो किलोमीटर पश्चिम में है, सशस्त्र कैडरों की मौजूदगी संबंधी विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद असम राइफल्स ने क्षेत्र प्रभुत्व गश्त और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि खुफिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों से संकेत मिले थे कि सशस्त्र कैडर निर्धारित कैंपों से बाहर हथियारों और वर्दी के साथ घूम रहे थे, जो स्थापित युद्धविराम के नियमों का उल्लंघन है। साथ ही सीजफायर मॉनिटरिंग ग्रुप को

इन उल्लंघनों की औपचारिक जानकारी भी दी गई और इससे जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों से अवगत कराया गया। प्रवक्ता के मुताबिक अभियान में मकुइलोंगडी और ओकलोंग गांवों की ओर बढ़ रही असम राइफल्स की टुकडिय़ों को बड़ी संख्या में लोगों ने रोक लिया, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। असम राइफल्स के जवानों ने अत्यधिक संयम बरतते हुए स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि अभियान का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना और क्षेत्र में शांति बनाए रखना है। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि संबंधित अधिकारियों की अनुमति के बिना कोई भी टुकड़ी किसी गांव में प्रवेश नहीं करेगी।

असम राइफल्स की टुकडिय़ों के वापस लौटने के बावजूद रात बड़ी भीड़ कैंप तक पहुंच गई और पत्थरबाजी, संपत्ति में तोडफ़ोड़ तथा आगजनी की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेनापति पुलिस और सीआरपीएफ को तैनात किया गया। बाद में लौटते समय भीड़ ने असम राइफल्स के वाहनों में तोडफ़ोड़ की। एक वाहन को आग लगा दी, जबकि दो ट्रकों को पलटकर क्षतिग्रस्त कर दिया। सुरक्षा बलों, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त प्रयासों से स्थिति पर काबू पा लिया गया और मंगलवार-बुधवार की मध्यरात्रि तक पूरी भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया था। इस बीच एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 6 जुलाई को मणिपुर के उखरूल जिले में हुए घात लगाकर किए गए हमले, में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे, इसके मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पैकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)